सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 340 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 22 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

दो सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 8.48 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा बेमेतरा जिले की दो सिंचाई योजनाओं के कार्यों में 8 करोड 48 लाख 10 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। स्वीकृत कार्यो में विकासखण्ड-बेरला की बांरगांव नाला व्यपवर्तन शीर्ष एवं नहर के जीर्णोद्धार और लाईनिंग कार्य के लिए 4 करोड़ 23 लाख 84 हजार स्वीकृत किये गये है। योजना के कार्यों को पूर्ण होने पर रूपांकित सिंचाई क्षमता 200 हेक्टेयर विरूद्ध 200 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। बेरला-विकासखण्ड में ही बेरला के हस्दा नाला में उफरा(उभरा) स्टाप डेम कम रपटा निर्माण कार्य हेतु 4 करोड़ 24 लाख 26 हजार रुपए स्वीकृत किये गये है। योजना से निस्तारी भू-जल संवर्धन, पेयजल आवा-गमन एवं किसानों द्वारा स्वयं के साधन से 46 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा प्रस्तावित है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से सिंचाई योजनाओं के कार्यों को पूर्ण कराने मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

राज्य स्तरीय रोजगार मेला के लिए 23 एवं 24 सितम्बर को होगा पंजीयन

जगदलपुर। राज्य शासन ने प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के लिए एक बेहद खास पहल की है। इसके तहत बेरोजगारों के लिए 9 और 10 अक्टूबर को राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में राज्य में काम कर रहीं 114 कंपनियां युवाओं को 8 से 10 हजार जॉब देगीं। इस रोजगार मेले के लिए रोजगार विभाग की वेबसाइट पर पंजीयन जारी हैं। इस बीच औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बस्तर में रोजगार पंजीयन शिविर का आयोजन 23 एवं 24 सितंबर 2025 को प्रातः 10 बजे सायं 05 बजे तक किया जाएगा, जो भी आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी पंजीयन नहीं करवाएं हैं। इस संस्था के प्राचार्य श्री एके मंडले द्वारा उक्त रोजगार मेला में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों को अपना शैक्षणिक दस्तावेज, आधार कार्ड के साथ उक्त नियत तिथि पर उपस्थित होकर अपना पंजीयन करवाने का आग्रह किया गया है।

रायगढ़-दंतेवाड़ा में तेज बारिश, 16 जिलों में बिजली गिरने का खतरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ और दंतेवाड़ा में सोमवार दोपहर को अचानक मौसम बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। इससे पहले रायपुर में तड़के गरज चमक के साथ बौछारें पड़ीं। हालांकि बाद में धूप निकली और मौसम साफ हो गया।

मौसम विभाग ने आज बलरामपुर, सरगुजा, रायगढ़, बलौदा बाजार, नारायणपुर, सुकमा और दंतेवाड़ा सहित 16 जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान हल्की बारिश हो सकती है। यह दौर अगले 2 दिनों तक जारी रह सकता है। इसके बाद बारिश तेज होगी। वहीं पिछले 24 घंटे की बात करें तो राजनांदगांव में सबसे ज्यादा 60स्रू बारिश हुई है। इसके अलावा अन्य जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई है। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 1044.9 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1472.8 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 498.0 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

जीएसटी की नई दरें लागू, रोजमर्रा की वस्तुओं के साथ कार-बाइक व इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट भी सस्ते

कंपनियों ने दाम घटाने शुरू किए, व्यापारियों में उत्साह का माहौल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जीएसटी की नई दरें सोमवार से प्रभावी हो गईं। कंपनियों ने ग्राहकों को फायदा देने के लिए कई उत्पादों का दाम घटाने का सिलसिला शुरू कर दिया है। बड़ी कंपनियों के साथ ही लोकल व्यापारियों ने भी कीमतों में कमी कर दी है। सोमवार से शुरू होने वाले नवरात्र व त्योहारी सीजन में बाजारों में खासी रौनक की उम्मीद की जा रही है। लोकल बाजार में रोजमर्रा की वस्तुओं से लेकर ऑटो मोबाइल व इलेक्ट्रानिक्स का मार्केट बुम कर सकता है।

बता दें 3 सितंबर को जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने जीएसटी स्लैब में बदलाव की घोषणा की। जीएसटी स्लैब को 5 व 18 फीसदी कर दिया गया। 22 सितंबर यानी सोमवार से इसे लागू कर दिया गया। अब जीएसटी में मुख्य रूप से सिर्फ 5 और 18 फीसदी की दो दरें ही होंगी। लग्जरी और विलासितापूर्ण वाली वस्तुओं पर अलग से 40 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। नए बदलावों के अनुसार तंबाकू और संबंधित उत्पाद 28 फीसदी से अधिक उपकर की श्रेणी में बने रहेंगे। वर्तमान में वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) 5, 12, 18 और 28 फीसदी के चार स्लैब के तहत लगाया जाता है। सरकार ने निर्देश दिया है कि नई दरें लागू होने के बाद व्यापार और उद्योग जगत इसका पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाए।

कारों पर एक लाख रुपए तक की बचत, बाइक पर भी छूट

ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी जीएसटी दरों में कमी से काफी उत्साह है। अब तक कारों और बाइकों पर 28 फीसदी जीएसटी लगता था, जो अब घटकर 18 फीसदी हो गया है। इससे गाड़ियों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। जीएसटी दरों में बदलाव से 10 लाख रुपये तक की कार पर ग्राहकों को 50 हजार से एक लाख या उससे भी ज्यादा का फायदा हो सकता है। एसयूवी व अन्य गाड़ियों के कैटेगरी के अनुसार अलग-अलग फायदा मिलेगा। जीएसटी स्लैब की घोषणा के बाद आटो सेक्टर में सेल गिर गया था जो कि अब बुम करेगा।

दवाओं पर भी मिलेगी छूट, लगेगी 5 फीसदी जीएसटी

दवाओं पर जीएसटी में बदलाव से मरीजों को भी बड़ी राहत मिली है। कुछ दवाएं जो पहले 18 फीसदी जीएसटी स्लैब में थीं, अब 5त्न में आ गई हैं, जिससे इन पर 11 फीसदी से ज्यादा की छूट मिलेगी। दवा विक्रेताओं का कहना है कि दवाओं की नई एमआरपी अभी नहीं आई है लेकिन सोमवार से छूट देने का निर्देश है। 12 फीसदी का प्रोडक्ट जो 5 फीसदी पर आया है, उसमें 6.25 फीसदी की छूट मिलेगी। 12 फीसदी स्लैब से जो दवाएं या सामान शून्य जीएसटी में आए हैं, उस पर 10.72 फीसदी की छूट मिलेगी। वहीं, 5 फीसदी जीएसटी से शून्य स्लैब में आई दवाओं पर 4.77 फीसदी की छूट मिलेगी। इसके अलावा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की 33 जरूरी दवाओं पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा।

रेल नीर भी सस्ता, एक रुपये कम होगी कीमत

भारतीय रेलवे ने रेल नीर सस्ता कर दिया। अब एक लीटर की बोतल की कीमत 15 से घटकर 14 रुपए होगी। आधा लीटर की बोतल 10 के बजाय 9 रुपए में मिलेगी। रेलवे परिसरों व ट्रेनों में आईआरसीटीसी व अन्य ब्रांडों की पेयजल बोतलों के दाम भी 14 और 9 रुपए हो गए हैं।

घरेलू इस्तेमाल के 350 से ज्यादा सामानों पर घटी जीएसटी

घर में इस्तेमाल होने वाले करीब 350 से ज्यादा सामानों पर जीएसटी 12 फीसदी से घटकर 5 फीसदी हो गया है। इसका सीधा फायदा ग्राहकों को मिलेगा। उदाहरण के तौर पर अगर कोई व्यक्ति 10,000 रुपए का सामान खरीदता है, तो पहले उसे 1200 रुपये जीएसटी देना पड़ता था। अब सिर्फ 500 रुपये देना होगा। 600 रुपए प्रति किलो का देसी घी अब करीब 562 रुपए में मिलेगा।

स्वास्थ्य और जीवन बीमा में सबसे बड़ी राहत

स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर अब तक 18 फीसदी जीएसटी लगता था, लेकिन अब इसे शून्य कर दिया गया है। इससे 25,000 के प्रीमियम पर 4500 तक की सीधी बचत होगी। अगर किसी के बीमा का बेस प्राइस 25 हजार रुपए है तो 18 फीसदी जीएसटी के साथ 4500 रुपए अतिरिक्त देना पड़ता था लेकिन अब शून्य जीएसटी कर दिया गया है तो 25000 रुपए ही देने होंगे।

शिकायतों के लिए पोर्टल पर विशेष सेक्शन

सरकार ने संशोधित जीएसटी दरों से संबंधित शिकायतें दर्ज कराने और उनके निवारण के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के इनग्राम पोर्टल पर एक समर्पित श्रेणी बनाई है। नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन: 1800-11-4000, सीबीआईसी और जीएसटी हेल्पलाइन: 1800-1200-232 हैं। नेशनल एंटी प्रॉफिटियरिंग अथॉरिटी की वेबसाइट पर भी बिल की कॉपी और दुकानदार का नाम-पता देकर शिकायत कर सकते हैं।

'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' छत्तीसगढ़ में 3.98 लाख लोगों का स्वास्थ्य जांच व उपचार

■ 10 हज़ार से अधिक शिविरों के माध्यम से की जा रही जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पहल स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान छत्तीसगढ़ में लगातार नई सफलताएँ अर्जित कर रहा है। बीते तीन दिनों में प्रदेशभर में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लगभग 3,98,542 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया, जिनमें से 2,80,204 महिलाएँ शामिल हैं। यह आँकड़ा महिला स्वास्थ्य भागीदारी और विश्वास को रेखांकित करता है।

अभियान के दौरान लगाए गए 10,000 से अधिक शिविरों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर और सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारियों की जांच के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच और बच्चों का टीकाकरण प्राथमिकता में रखा गया। इनमें सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि रही अनीमिया परीक्षण, जिसके अंतर्गत 1,10,065 लोगों की जांच की गई। महिलाओं में अनीमिया की अधिकता को देखते हुए यह प्रयास न केवल उपचार बल्कि समय रहते पहचान सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि साबित हो रहा है।

अभियान के दौरान उपचार और स्क्रीनिंग के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। शिविरों में महिला स्वास्थ्यकर्मियों और विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं को संतुलित आहार, आयरन एवं फोलिक एसिड की खुराक, स्वच्छता एवं जीवनशैली सुधार के संबंध में परामर्श प्रदान किया जा रहा है। इससे यह सुनिश्चित हो रहा है कि महिलाएँ केवल जांच तक सीमित न रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित हों।

इसी अवधि में 33,773 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, 72,610 लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग, 71,985 लोगों की टीबी जांच तथा 13,884 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके अलावा 2,24,974 लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों से संबंधित परामर्श दिया गया, जिससे समुदाय में व्यापक स्वास्थ्य जागरूकता का संचार हुआ है। छत्तीसगढ़ में चल रहा यह अभियान केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नारी स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता के माध्यम से सशक्त परिवार और अंततः सशक्त समाज की दिशा में ठोस कदम सिद्ध हो रहा है।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़ः 2 नक्सली ढेर

■ दोनो शव के साथ एके-47 राइफल व कई हथियार बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सोमवार सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। अबूझमाड़ इलाके में दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में जवानों ने दो नक्सली को मार गिराया है। दोनों के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। बस्तर ढ्ढत्र पी सुंदर-राज ने मामले की पुष्टि की है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के महाराष्ट्र सीमावर्ती अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने सर्चिंग अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान सोमवार सुबह सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी रही। मुठभेड़ स्थल से दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ के बाद जवानों ने सर्चिंग के दौरान एके 47 राइफल, हथियार, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, माओवादी साहित्य, प्रचार-प्रसार सामग्री और दैनिक उपयोग की चीजें बरामद किया है। दरअसल, नारायणपुर के अबूझमाड़, महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमावर्ती इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर टीम निकली थी। समाचार लिखे जाने तक रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है।

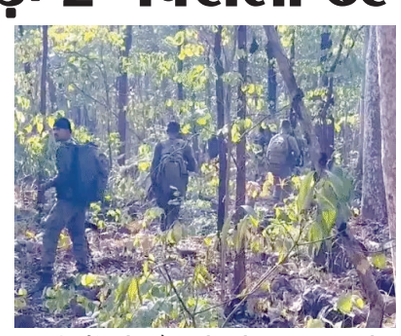

आखिर इन माताओं का कसूर क्या है?

श्रीकंचनपथ

आज नवरात्रि का प्रारंभ है। भारत माताओं को सम्मान देने में शायद पूरी दुनिया में सबसे आगे है। पर यही सम्मान उस समय हाशिए पर चला जाता है जब माता विधवा हो जाती है। घर में नई बहू आई। बहू ऊंचे कुल से कुछ ज्यादा ही संस्कार लेकर आई थी। आते ही उसने घोषणा कर दी कि सुबह-सुबह वह विधवा सास का चेहरा नहीं देखना चाहती। खाना बनाने वाली को भी निर्देश मिल गया कि रसोई का काम करने के बाद ही वह सास का कोई काम करे। विधवाओं के साथ इस तरह का व्यवहार कोई नया नहीं है। समाज इन्हें मौन स्वीकृति देता है। शादी के कुछ ही दिन बाद विधवा हो जाने वाली स्त्रियों को तो यहां तक सुनना पड़ जाता है कि वो आते ही अपने पति को खा गई। इसके बाद इसकी संभावना पूरी तरह से समाप्त हो जाती है कि उसे भविष्य में उस घर में कोई सम्मान मिलने वाला है। बंगाल और राजस्थान में विधवाओं की स्थिति सबसे ज्याद खराब रही है। बंगाल अपनी विधवाओं को मथुरा, वृंदावन और काशी में छोड़ आता था। राजस्थान में विधवा को जीते जी पति की चिता पर जला दिया जाता था। न रहेगा बांस न बजेगी बांसुरी। ये प्रथाएं अब नहीं रहीं। अब कुलीन परिवारों में भी अधेड़ों के साथ बच्चियों का ब्याह नहीं होता। अब एक आदमी के मरने पर 10-10 विधवाएं पैदा नहीं होतीं। भारत के नवजागरण काल में राजा राम मोहन राय, आर्यसमाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द, केशवचंद्र सेन, महात्मा फुले, सावित्री बाई फुले और कुछ विदेशी समाज सुधारकों ने भी विधवाओं की दयनीय दशा को सुधारने के प्रयास किये। पर विधवाओं की सामाजिक स्थिति में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है। आज भी समाज को लगता है कि सनातन में सब अच्छा-अच्छा था। उलटे इन अनहोनियों को टालने के लिए कुण्डली शास्त्र की चांदी हो गई है। मांगलिक का तो पूरा खेल ही इस सोच पर निर्भर है। कोई पेड़ से विवाह करता है, कोई भैंस से तो कहीं-कही कुतिया से भी ब्याह करा दिया जाता है। इसके बाद कुण्डली के दोष खत्म हो जाते हैं। मतलब साफ है कि घर में बेशक 3-4 विधुर हों पर विधवा एक भी नहीं होनी चाहिए। दुनिया भर में 26 करोड़ से ज्यादा विधवा महिलाएं हैं। इनमें भारत और चीन में सबसे ज्यादा हैं। भारत में इनकी संख्या चार करोड़ से अधिक है। पूर्व सैनिकों की विधवाओं की संख्या सात लाख से अधिक है। पंजाब में सबसे अधिक पूर्व सैनिकों की विधवाएं रहती हैं, जिनकी संख्या 75 हजार से अधिक है। उत्तर प्रदेश में यह संख्या करीब 72 हजार, केरल में 71 हजार से अधिक तथा महाराष्ट्र में 67 हजार से अधिक है। राजस्थान और हरियाणा में भी क्रमशः 61 हजार और 58 हजार पूर्व सैनिकों की विधवाएं रहती हैं। पति तो शहीद कहलाता है पर विधवा समाज के लिए अपशकुन बनी रहती है।

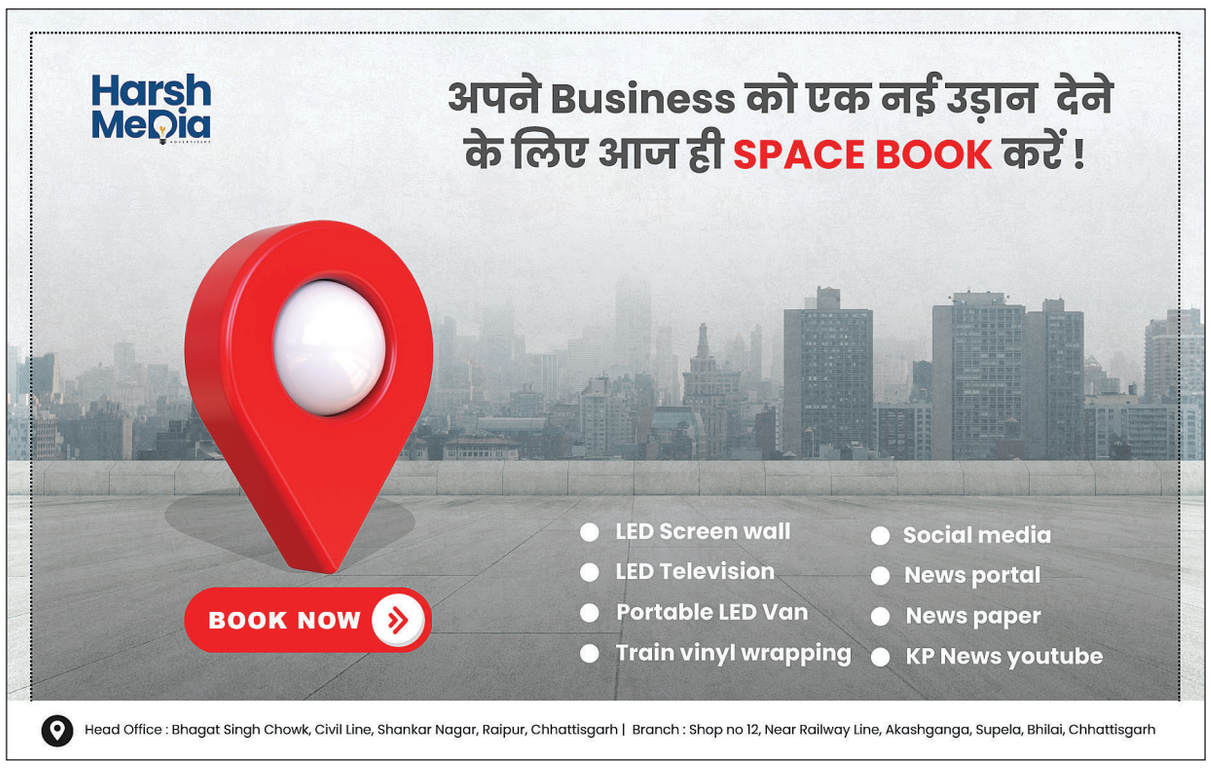

संपादकीय

राष्ट्र अब नक्सलवाद के अंतिम दौर की ओर

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में 11 सितम्बर को सुरक्षा बलों द्वारा किए गए ऑपरेशन में बड़े पैमाने पर सफलता हासिल हुई है, जिसमें सीसी सदस्य मनोज उर्फ बालकृष्ण सहित दस दुर्दात नक्सली मारे गए। यह मुठभेड़ शोभा और मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगलों में हुई जिसमें एक करोड़ के इनामी तेलंगाना के वारंगल निवासी 58 वर्षीय मोडेम बालकृष्ण के मारे जाने की पुष्टि स्वयं एसपी निखिल राखेचा ने की। नक्सलियों के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई के महत्त्व को समझने के लिए हालिया महीनों में छत्तीसगढ़ और देश भर में नक्सलियों के खिलाफ हुए अभियानों की समीक्षा जरूरी है।

मई माह में नारायणपुर-अबूझमाड़ क्षेत्र में लगभग पचास घंटे चले ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने डेढ़ करोड़ के इनामी और माओवादियों के महासचिव नंबाला केशव उर्फ बसवराजू को मार गिराया था। उसकी मौत के बाद नक्सलियों ने लगभग छह करोड़ के इनामी देवजी उर्फ संजीव उर्फ पल्लव को संगठन का नया महासचिव नियुक्त किया जबकि दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सचिव पद की जिम्मेदारी भीषण माओवादी कमांडर माडवी हिडमा को दी गई। देवजी, जो करीमनगर (तेलंगाना) के दलित परिवार में जन्मा, बीते साढ़े तीन दशकों से नक्सलवाद से जुड़ा है। उस पर देश के विभिन्न राज्यों में छह करोड़ रु पये से अधिक का इनाम घोषित है। इसी प्रकार माडवी हिडमा, बस्तर के बीजापुर जिले के पुवर्ती गांव का निवासी, नक्सलियों की रणनीति और बड़े हमलों के लिए कुख्यात है।

बीते डेढ़ वर्ष में छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने 453 नक्सलियों को मार गिराया है जबकि 1602 ने आत्मसमर्पण किया और 1591 को गिरफ्तार किया गया। औसतन रोजाना छह नक्सलियों को पकड़ा जा रहा है, और एक से ज्यादा को मुठभेड़ में मार गिराया जाता है। गृह मंत्रालय के अनुसार, 2024 में देश भर में सुरक्षा बलों ने 290 नक्सलियों को मार गिराया, 1090 को गिरफ्तार किया, और 881 ने आत्मसमर्पण किया। 2025 के पहले चार महीनों में ही 148 माओवादी ढेर हुए, 104 की गिरफ्तारी हुई और 164 ने आत्मसमर्पण किया। अकेले बस्तर क्षेत्र में अनेक बड़े ऑपरेशन हुए हैं, जिनमें 29 नक्सलियों को कांकेर जिले (16 अप्रैल 2024) में, 31 को बीजापुर जिले (9 फरवरी 2025) में मारा गया।

सुरक्षा अभियानों की आक्रामक रणनीति के चलते नक्सली संगठनों की रीढ़ टूट रही है, और उनका जनसमर्थन तेजी से कमजोर पड़ रहा है। आंकड़ों की गणना करें तो पिछले एक वर्ष में देश भर में सुरक्षा अभियानों के दौरान कुल 357 नक्सलियों की मृत्यु हुई जिनमें 136 महिला नक्सली, चार केंद्रीय कमेटी सदस्य और 15 राज्य कमेटी के वरिष्ठ सदस्य शामिल हैं। दंडकारण्य क्षेत्र में ही 281 नक्सली मारे गए। छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा जैसे राज्यों की जमीनी हकीकत यह है कि अब माओवादी सीमित क्षेत्रों में छिपे हैं जबकि पहले देश के 38 जिले पूरी तरह नक्सल प्रभावित थे, अब यह संख्या घट कर छह जिलों तक सीमित रह गई है।

केंद्र सरकार का उद्देश्य मार्च, 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से पूर्णतया मुक्त करना है। इसके लिए दोहरी नीति अपनाई जा रही है- सख्त सुरक्षा कार्रवाई और बहुआयामी विकास योजनाएं। छत्तीसगढ़ में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए देश की सबसे बेहतर पुनर्वास नीति लागू की गई है, तीन साल तक प्रति माह दस हजार रुपये प्रोत्साहन राशि, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वरोजगार, नकद इनाम, कृषि या शहरी भूमि का आवंटन। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट किया है कि अब बंदूक की जगह किताबों का स्थान है, और सड़कों की गूंज सुनाई दे रही है। 'नियद नेल्ला नार' योजना के तहत बस्तर के दूरदराज गांवों में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, कार्ड, किसान क्रेडिट, प्रधानमंत्री आवास, मोबाइल टावर, वन अधिकार पट्टों जैसी सुविधाएं सुलभ कराई जा रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अबूझमाड़ के रेकावाया गांव में पहली बार स्कूल खुल रहा है, जहां कभी नक्सली स्वयं स्कूल चलाते थे। बंद पड़े करीब पचास स्कूल दोबारा चालू किए गए हैं, नये भवन तैयार हो रहे हैं, और शिक्षा-स्वास्थ्य की सुविधाएं सुदूर इलाकों में पहुंच रही हैं। इसी तरह, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम पंचायत स्तर तक योजनाएं पहुंचाई जा रही हैं, स्कूल, डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य शिविर सक्रिय किए गए हैं।

नक्सलवाद का विश्लेषण किया जाए तो बीते छह दशकों में उसने भारत के लोकतंत्र को बार-बार चुनौती दी है। 2004-14 के बीच तेरह हजार से अधिक हिंसक घटनाएं, सैकड़ों सुरक्षाकर्मियों तथा नागरिकों की मृत्यु हुई लेकिन 2014 से 2024 के बीच इन घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है। हिंसक घटनाएं घटकर लगभग आधी रह गई हैं, सुरक्षाकर्मियों की मौतें 73 प्रतिशत और नागरिकों की मौतें 70 प्रतिशत कम हुई हैं। हालांकि नक्सलियों की विचारधारा लोकतंत्र, संविधान और न्यायपालिका को अस्वीकार करती है, वे हिंसा को जनता की आवाज बता कर खुद को वैध ठहराने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सुरक्षा बलों, सरकार और समाज तीनों की जिम्मेदारी और मुस्तैदी बढ़ जाती है। नक्सल समर्थक शहरी नेटवर्क, एनजीओ, वकीलों, शिक्षकों आदि पर भी सरकार कठोर कार्रवाई कर रही है। शहरी नेटवर्क को खत्म करने और वैचारिक आतंकी ढांचे को धराशायी करने के लिए पुलिस, सुरक्षा बल और सरकार द्वारा संयुक्त रूप से अभियान जारी हैं।

नरेन्द्र मोदी: राजनीतिक अभिजात वर्ग को चुनौती देने वाले जननायक

शिवराज सिंह चौहान

भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी के उदय को विशेषाधिकार के पारंपरिक लेंस से नहीं समझा जा सकता। राजनीतिक वंशों में पले-बढ़े अनेक नेताओं के विपरीत, मोदी और उनकी नेतृत्व शैली जमीन से उभरी है, जिसने उनके संघर्ष, वर्षों से जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों और सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्राप्त व्यवहारिक अनुभवों से आकार लिया है। उनका करियर मात्र एक व्यक्ति के उत्थान को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि यह भारत में अभिजात वर्ग द्वारा संचालित राजनीति की नींव के लिए एक चुनौती भी है।

वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी का बचपन ज़िम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पायु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उन्होंने वंचित सहपाठियों के लिए पुरानी किताबें और वर्दियाँ इकट्ठा करने के अभियान भी चलाए, जो इस बात का प्रारंभिक संकेत था कि वह नेतृत्व को किसी विशेषाधिकार के रूप में नहीं, बल्कि सेवा के रूप में देखते हैं। इन छोटे-छोटे प्रयासों ने उनके द्वारा सार्वजनिक जीवन में अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण का पूर्वाभास करा दिया।

उनकी मूलभूत प्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में और भी प्रखर हुईं, जहाँ साधारण कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन ०?यतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदी ने बिल्कुल वैसा ही किया। अक्सर बस या स्कूटर से गुजरात भर में यात्रा करते हुए, और भोजन व आश्रय के लिए ग्रामीणों पर निर्भर रहते हुए, उन्होंने साझा कठिनाइयों और संघर्षों के माध्यम से सभी वर्गों का विश्वास अर्जित किया। इस अनुशासन ने उन्हें उन लोगों के रोज़मर्रा के सरोकारों से जुड़े रहने में मदद की, जिनकी वे सेवा करना चाहते थे, और इसी ने उन्हें संकटकाल में संगठित, बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए भी तैयार किया।

ऐसा ही एक संकट 1979 में मच्छू बांध के टूटने से आया था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। 29 वर्षीय मोदी ने तुरंत स्वयंसेवकों को पालियों में संगठित किया, राहत सामग्री का प्रबंध किया, शवों को निकाला और परिवारों को सांत्वना दी। कुछ साल बाद, गुजरात में सूखे के दौरान, उन्होंने सुखड़ी अभियान का नेतृत्व किया, जो पूरे राज्य में फैल गया और लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य का भोजन वितरित किया गया। दोनों ही आपदाओं में, उन्होंने बिल्कुल आरंभ से ही बड़े पैमाने पर राहत प्रयास शुरू किए, जिससे उनके उद्देश्य की स्पष्टता, उनके सैन्य-शैली के संगठन और उनका इस आग्रह का परिचय मिला कि नेतृत्व का अर्थ केवल प्रतीकात्मकता नहीं, बल्कि सेवा है।

इन शुरुआती घटनाओं ने जहाँ एक ओर लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता को परखा, वहीं आपातकाल ने दमन के दौर में उनके साहस की परीक्षा ली। मात्र 25 वर्ष की आयु में, एक सिख के वेश में, उन्होंने पुलिस निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद कायम रखा। इस जमीनी नेटवर्क ने क्रूर शासन के विरुद्ध प्रतिरोध को जीवित रखा, जिससे उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में ख्याति मिली।

इन्हीं कौशलों का उपयोग जल्द ही चुनावी राजनीति में भी किया गया। भाजपा - गुजरात के संगठन मंत्री के रूप में, उन्होंने पार्टी का विस्तार नए समुदायों तक किया, जिनमें राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल थे। उन्होंने विविध पृष्ठभूमियों के नेताओं को तैयार किया, ज़मीनी स्तर पर समर्थन जुटाया और पूरे गुजरात में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की योजना बनाने में मदद की। बाद में, विभिन्न राज्यों के प्रभारी के रूप में उन्होंने बूथ स्तर तक मजबूत पार्टी तंत्रों का निर्माण किया।

साल 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने पर उन्होंने ये सबक शासन में लागू किए। उदाहरण के लिए, पदभार ग्रहण करने के चंद घंटे बाद ही उन्होंने साबरमती में नर्मदा का जल लाने के विषय में एक बैठक बुलाकर इस बात का संकेत दिया कि निर्णायक कार्रवाई उनके प्रशासन को परिभाषित करेगी। उनका दृष्टिकोण शासन को एक जन आंदोलन बनाना था, जहाँ प्रवेशोत्सव ने स्कूलों में नामांकन को प्रोत्साहित किया, कन्या केलवणी ने बालिकाओं की शिक्षा का समर्थन किया, गरीब कल्याण मेलों ने कल्याण को नागरिकों तक पहुँचाया, और कृषि रथ ने कृषि सहायता को किसानों के खेतों तक पहुँचाया। नौकरशाहों को दफ्तरों से निकालकर कस्बों और गाँवों तक भेजा गया। उनका मानना है कि शासन लोगों तक वहाँ पहुँचे जहाँ वे रहते हैं, न कि केवल मीटिंग कक्षों तक सीमित रहे।

उनके प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद गुजरात में किए गए प्रयोग राष्ट्रीय आदर्श बन गए। स्वच्छता अभियानों के उनके अनुभव ने स्वच्छ भारत मिशन का रूप लिया, जहाँ उन्होंने प्रतीकात्मकता को सामूहिक कार्रवाई में बदलने के लिए स्वयं झाड़ू उठाई। डिजिटल इंडिया, जन-धन योजना और अन्य पहल शीर्ष से शुरू किए गए कार्यक्रम नहीं थे, बल्कि जमीनी स्तर पर बिताए उनके वर्षों से प्राप्त सीखों पर आधारित जन-आंदोलन थे। इन्होंने जन-भागीदारी के उनके दर्शन को मूर्त रूप दिया, जहाँ शासन तभी कारगर होता है, जब नागरिक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता न बने रहकर, स्वयं भागीदार बनें। मोदी जैसे नेता और जनता के बीच दशकों से विकसित इसी विश्वास ने आज के भारत में नीति को साझेदारी में बदल दिया है।

दशकों से, मोदी बैठकों में होने वाली बहसों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर जीवंत संपर्क की बदौलत लोगों की ज़रूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने के तरीकों को जानने की दुर्लभ सहज प्रवृत्ति प्रदर्शित करते आए हैं। यह प्रवृत्ति कठोर प्रशासनिक अनुभव के साथ मिलकर उनकी राजनीति को परिभाषित करती है।

मूलभूत रूप से, उनके जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है। ऐसा करके, उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नया रूप दिया है, जो आम नागरिक के संघर्षों और भावनाओं पर आधारित है।

सेवा पखवाड़ा : जनसेवा से जनविश्वास तक की यात्रा

(पवन शुक्ला, लखनऊ उच्च न्यायालय में राज्य विधि अधिकारी हैं और राजनीतिक विश्लेषक)

भाजपा का सेवा पखवाड़ा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा को राजनीति की आत्मा बनाने का प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन से शुरू होकर गांधी जयंती तक चलने वाला यह पखवाड़ा राष्ट्र को यह संदेश देता है कि जनसेवा ही जनसंपर्क की सबसे पवित्र भाषा है। भाजपा का सेवा पखवाड़ा, जिसने जनता के मन में आशा, विश्वास और आत्मगौरव की नई ऊर्जा जगाई।

सेवा का उत्सव, विश्वास का संकल्प

भाजपा का सेवा पखवाड़ा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा को राजनीति की आत्मा बनाने का प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिन से शुरू होकर गांधी जयंती तक चलने वाला यह पखवाड़ा राष्ट्र को यह संदेश देता है कि जनसेवा ही जनसंपर्क की सबसे पवित्र भाषा है। जब लाखों कार्यकर्ता झाड़ू लेकर गली-मोहल्लों में उतरते हैं, रक्तदान करते हैं, पौधारोपण करते हैं और स्वास्थ्य शिविर लगाते हैं, तो यह केवल काम नहीं, बल्कि एक भावना है—मैं भी अपने देश के लिए कुछ कर रहा हूँ।

सेवा पखवाड़े के दौरान हर कोने में सेवा की तस्वीरें दिखीं। कहीं स्कूली बच्चों को मुफ्त दवाइयाँ मिलीं, कहीं युवाओं ने रक्तदान कर जीवन बचाने का संकल्प लिया। दिल्ली में अधोसंरचना परियोजनाओं की सौगात दी गई तो मध्य प्रदेश में महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित अभियान चला। लखनऊ की सड़कों पर मंत्री से लेकर सफाईकर्मी तक एक साथ झाड़ू उठाते दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा-हमारे जीवन का मूलमंत्र ही सेवा है। अगर माँ स्वस्थ होगी, तो परिवार सशक्त होगा और परिवार सशक्त होगा तो राष्ट्र सशक्त बनेगा।

बदलती मनोवृत्ति, बढ़ता आत्मविश्वास

उत्तर प्रदेश में एक ही दिन में 391 रक्तदान शिविर आयोजित हुए, जिनमें 7287 लोगों ने रक्तदान किया। दिल्ली में 3000 करोड़ रुपये का अधोसंरचना पैकेज घोषित हुआ। मध्य प्रदेश में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' की पहल शुरू हुई। ये आंकड़े केवल योजनाएँ नहीं बताते, बल्कि यह दर्शाते हैं कि जनता और सरकार के बीच की दूरी कम हो रही है।

गृह मंत्री अमित शाह जी ने इस अवसर पर कहा—मैं मोदी जी को 24 वर्षों से जानता हूँ। उन्होंने इस पूरे समय में एक भी छुट्टी नहीं ली। जिनका जीवन ही सेवा है, उनके लिए सेवा पखवाड़ा सबसे बड़ा उत्सव है।

जनता के बीच भी इस अभियान ने विश्वास जगाया। हरिद्वार के एक बुज़ुर्ग ने स्वास्थ्य शिविर में भावुक होकर कहा—बेटा, पहले इलाज के लिए हमें शहर भागना पड़ता था। आज दवाइयाँ हमारे दरवाजे पर आ रही हैं। यही असली सेवा है। लखनऊ में एक युवती ने पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान मुस्कुराकर कहा—अब लगता है कि स्वच्छता और हरियाली हमारी भी जिम्मेदारी है, सिर्फ सरकार की नहीं।

मोदी और जनता—सेवा से शक्ति तक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा पखवाड़े को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकसित भारत के चार स्तंभ—महिला, युवा, गरीब और किसान—को सशक्त करने का अभियान बताया। इस दौरान महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर, युवाओं के लिए रक्तदान और पौधारोपण, किसानों के लिए तकनीकी सहयोग और गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ चलाई गईं। हर कोने से जनता की आवाज गूँजी कि अब सेवा सिर्फ नारा नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी में उतर रही हकीकत है।

यह पखवाड़ा प्रधानमंत्री की जनसेवक छवि को और गहरा करता है। जब एक किसान कहता है अगर यह सेवा निरंतर चले तो गाँव बदल जाएगा और एक छात्र कहता है हम भी देश बदलने की ताकत रखते हैं—तो यह बताता है कि सेवा से ही शक्ति का जन्म होता है। सेवा पखवाड़ा केवल भाजपा या मोदी के लिए राजनीतिक पूंजी नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए आत्मविश्वास और आशा का नया स्रोत बन चुका है।

निष्कर्ष

सेवा पखवाड़ा आज एक उत्सव है-सेवा का, सामूहिकता का और आत्मविश्वास का। यह अभियान हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों से नहीं, बल्कि सेवा की निरंतर धारा से होता है। मोदी जी की छवि आज केवल प्रधानमंत्री की नहीं, बल्कि जनसेवक की है। जनता भी अब यही कह रही है-अगर नेता हमारे साथ खड़े हैं, तो हम भी पीछे नहीं हटेंगे। यही वह मनोबल है जो भारत को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगा।

महिलाएं: भारत की मौन शक्ति, जो हमें भविष्य की ओर ले जा रही हैं

डॉ. किरण मजूमदार-शॉ

जब हम अपने प्रधानमंत्री के जीवन के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो हमें उनकी यह प्रतिज्ञा याद आती है कि महिलाओं की पूरी भागीदारी के बिना भारत एक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता। उनका 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान एक गहरी सच्चाई को दर्शाता है: अगर मां स्वस्थ रहती है तो पूरा घर स्वस्थ रहता है। अगर मां बीमार पड़ जाती है, तो पूरा परिवार बिखर जाता है। यह मानना कि महिलाओं का स्वास्थ्य ही हमारे राष्ट्रीय प्रगति की नींव है, भारत की विकास यात्रा का मुख्य आधार है।

भारत की विकास गाथा के केन्द्र में महिलाएं

महिलाएं सिर्फ इस यात्रा की भागीदार नहीं हैं, बल्कि इसकी असली संवाहक हैं। प्रयोगशालाओं, अस्पतालों, खेतों और बायोटेक स्टार्ट-अप्स में उनके मौन लेकिन प्रभावशाली कार्य हमारे भविष्य को गढ़ रहे हैं। उन 10 लाख आशा कार्यकर्ताओं के बारे में सोचें, जो भारत की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ हैं, जो अक्सर प्रकोप के दौरान सबसे पहले मदद पहुंचाती हैं या फिर आईसीएमआर, एनआईवी और एम्स की महिला वैज्ञानिकों पर विचार करें, जिन्होंने 2020 में SARS-CoV-2 वायरस को अलग करने में मदद की और भारत के स्वदेशी टीकों का मार्ग प्रशस्त किया, जिसके कारण दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में 2 अरब से अधिक टीकाकरण किए गए।

भारत की 62.9% महिला कार्यकर्ता कृषि में हैं, और अब इनमें से कई को सूखा-रोधी व फसल सुरक्षा जैसे बायोटेक समाधान अपनाने का प्रशिक्षण दिया गया है। 2 बायोटेक उद्यमिता में भी महिलाएं सस्ते डायग्नोस्टिक, जीनोमिक्स और वैक्सीन नवाचार जैसे क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स की अगुवाई कर रही हैं। ये कोई अकेली कहानियां नहीं हैं, ये भारत की नारी शक्ति का जीता जागता सबूत हैं।

नीतिगत और संस्थागत समर्थन

महिलाओं की क्षमता को उभारने में सरकारी पहल निर्णायक रही हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'मिशन शक्ति' तक, संसद में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने वाला ऐतिहासिक 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम

हो, या प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया और जन धन योजना के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण- महिला-प्रधान विकास की मजबूत रूपरेखा तैयार हो चुकी है।

54 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं, जिनमें लगभग 56% खाते महिलाओं के हैं। वित्तीय समावेशन का ऐसा स्तर दुनिया भर में शायद ही कभी देखा गया हो। मुद्रा योजना के तहत 43 करोड़ ऋणों में से लगभग 70% ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जल्द ही यह सुनिश्चित करेगा कि संसद की एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों। जिससे नीति निर्माण में उनकी आवाज सुनिश्चित होगी।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार: वैश्विक संदर्भ में भारत

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीय महिलाएं सचमुच सितारों तक पहुंच रही हैं। इसरो में महिलाओं ने चंद्रयान-2 और मंगलयान जैसी मिशनों में निदेशक की भूमिका निभाई, जिससे भारत की अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभरती छवि सामने आई। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत, एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी के मामले में दुनिया में अग्रणी है:

भारत में 43% एसटीईएम स्नातक महिलाएं हैं, जबकि अमेरिका में 34%, यूरोपीय संघ में 32% और ओईसीडी देशों में औसतन 33% फिर भी, वैज्ञानिक संस्थानों में केवल 19% वैज्ञानिक, इंजीनियर और टेक्नोलॉजिस्ट ही सीधे अनुसंधान और विकास से जुड़े हैं, जिससे यह जरूरी हो जाता है कि शिक्षा में मिली सफलता को कार्यस्थलों पर भी प्रतिनिधित्व में बदला जाए। सरकार के बायोकेयर (BioCARe) और वाइज किरण (WISE-KIRAN) जैसे कार्यक्रमों ने करियर ब्रेक के बाद लौटीं महिला वैज्ञानिकों को फिर से नवाचार शुरू करने का अवसर दिया है। हाल ही में बीआईआरएसी ने 75 से अधिक महिला बायोटेक उद्यमियों को सम्मानित किया, जो नई पीढ़ी की महिला नेतृत्व का संकेत है। वैश्विक स्तर पर बायोटेक नेतृत्व पदों पर महिलाएं 20% से भी कम हैं, ऐसे में भारत की यह प्रगति विज्ञान उद्यमिता में समावेशिता के नए मानक तय कर सकती है।

भविष्य की ओर: अग्रणी महिलाएं

विज्ञान-आधारित विकास का भविष्य उन महिलाओं द्वारा गढ़ा जाएगा जो जीनोमिक्स, मॉलिक्युलर डायग्नोस्टिक्स, बायोलॉजिक्स और सटीक उपचार को आगे बढ़ाएंगी। वे जैव प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं, नियामक पारिस्थितिकी प्रणालियों और जमीनी स्तर के स्वास्थ्य वितरण नेटवर्क का नेतृत्व करेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि किफायती चिकित्साएं दूर-दराज के गांवों तक भी पहुंचें। एक गैराज लैब से लेकर एक वैश्विक बायोलॉजिक्स कंपनी बनाने तक की मेरी अपनी यात्रा ने मुझे सिखाया है कि नवाचार केवल बोर्डरूम में ही जन्म नहीं लेता। यह जमीनी स्तर से जन्म लेता है और मेहनत व धैर्य से आगे बढ़ता है, चाहे वह तकनीशियन हो, शोधकर्ता (पोस्ट-डॉक) या स्वास्थ्यकर्मी। जब उन्हें अवसर और पहचान मिलती है, तो उनका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।

भारत के लिए एक अहम मोड़

जैव प्रौद्योगिकी क्रांति, स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा बनाए रखने और अंतरिक्ष व डिजिटल तकनीक के नए आयाम आने वाले दशकों में भारत की प्रगति को परिभाषित करेंगे। प्रधानमंत्री की दृष्टि स्पष्ट है: महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि इस भविष्य की सह-निर्माता के रूप में देखा जाना चाहिए।

आह्वान

अब समय आ गया है कि सभी क्षेत्रों में नेतृत्व यह सुनिश्चित करे कि महिला वैज्ञानिक, नर्सें, स्वास्थ्यकर्मी और उद्यमी पूरी तरह से दिखाई दें, उन्हें पर्याप्त संसाधन मिलें और वे पूरी तरह सशक्त हों। जब ऐसा होगा, तो भारत न केवल अपना वादा पूरा करेगा बल्कि दुनिया की उम्मीदों से भी आगे बढ़ जाएगा। क्योंकि हम सभी द्वारा निर्मित और महिलाओं के नेतृत्व वाला भविष्य अजेय होगा

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

सर्वधर्म सेवा संस्था ने कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव को 6 बिंदुओं पर सौंपा निवेदन पत्र

भिलाई। सर्वधर्म सेवा संस्था, भिलाई ने रविवार को एक सार्थक पहल करते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के कैबिनेट मंत्री माननीय गजेंद्र यादव जी का हार्दिक स्वागत एवं सम्मान किया और देश के भविष्य कहे जाने वाले स्कूल के बच्चों की सुरक्षा, स्वच्छता तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिए 6 महत्त्वपूर्ण सुझावों पर आधारित निवेदन पत्र सौंपा। संस्था अध्यक्ष सुरेश खांडवे के नेतृत्व में प्रस्तुत इस निवेदन पत्र में निम्न प्रमुख माँगें शामिल रहीं।

सभी विद्यालयों में सेनेटरी पैड वेन्डिंग एवं निस्तारण मशीनें स्थापित की जाएं। छात्राओं के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ शौचालय, शुद्ध पेयजल एवं उचित सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। अपराधों के रोकथाम हेतु विद्यालय परिसरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। सभी स्कूलों में वृक्षारोपण, कचरा प्रबंधन और पर्यावरण शिक्षा को परीक्षा परिणाम में अनिवार्य जोड़ा जाए। एआई आधारित तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास को अनिवार्य रूप से पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। परिसर से निश्चित दूरी पर पान, गुटखा, तम्बाकू और धूम्रपान पर कड़ाई से प्रतिबंध लागू हो। इस अवसर पर 7 सितंबर से संस्था द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान अन्न बचाओ अभियान की जानकारी भी मंत्री महोदय को दी गई, जिसका समापन 29 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय खाद्य अपव्य दिवस को किया जायेगा, जिसे उन्होंने सराहते हुए समाजहित में प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में संस्था की सक्रिय सदस्य गायत्री गोस्वामी, दीना सोनी, प्रतीक भोई, राकेश रत्नाकर, श्री भेखराम साहू, आशुतोष सोनी एवंरघुवंश सैनी उपस्थित रहे। इस भेंट को सफल बनाने में श्रीमती दीना सोनी का विशेष योगदान उल्लेखनीय रहा।

गुरु तेग बहादुर का नगर कीर्तन पहुंचा भिलाई-दुर्ग, सिख समाज ने किया स्वागत

भिलाई। रविवार को गुरु तेगबहादुर साहिब और उनके साथ भाई मतीदास, सती दास, दयालाजी की 350वीं शहादत शताब्दी को समर्पित नगर कीर्तन गुरुद्वारा धुबरी असम से चलकर भिलाई-दुर्ग पहुंचा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सिख पंचायत दुर्ग-भिलाई के नेतृत्व में कुम्हारी से लेकर दुर्ग तक जगह-जगह नगर कीर्तन का स्वागत सिख समाज ने किया। सिख पंचायत के महासचिव गुरुनाम सिंह ने बताया कि दुर्ग-भिलाई की संगत ने स्वागत स्थलों पर शब्द कीर्तन गायन के साथ पालकी साहिब में विराजमान गुरु ग्रंथ साहिब और प्राचीन शास्त्रों के दर्शन किए। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों ने जगह-जगह लंगर प्रसाद बांटा। चेयरमैन जसबीर सिंह चहल ने नगर कीर्तन में शामिल संगत व सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, संस्थाओं के साथ-साथ मुस्लिम समाज का धन्यवाद किया। सिख यूथ सेवा समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह लल्लू ने संस्था के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर गुरमीत सिंह गांधी, पलविंदर सिंह रंधावा, कुलवंत कौर, बलजिंदर सिंह कलेर, तजिंदर सिंह हुंदल आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी पत्रकारिता की द्विशती पर आयोजित संगोष्ठी में शामिल हुए मंत्री गजेन्द्र यादव, बहुमत पत्रिका व वसुन्धरा का किया विमोचन

■ कलामंदिर सिविक सेंटर में आयोजित की गई संगोष्ठी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हिन्दी पत्रकारिता की 200 वर्ष पूरे होने पर रविवार को कला मंदिर सिविक सेंटर में ''भारत बोध, भारतीयता और हिन्दी पत्रकारिता'' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस संगोष्ठी में प्रतिष्ठित पत्रकार, लेखक एवं स्तंभकार नई बिन्दी अनंत विजय और आचार्य एवं अध्यक्ष माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल डॉ. संजय द्विवेदी, मुख्य वक्ता तथा छत्तीसगढ़ साहित्य अकॉदमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, अतिथि वक्ता के रूप में संगोष्ठी में शामिल हुए।

संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि आधुनिक पत्रकारिता में विश्वनीयता पर जोर देने की आवश्यकता है। उन्होंने झीरम घाटी की घटना तथा डीमरापाल (जगदलपुर) में आयोजित स्काउट्स एवं गाईड जम्बुरी का जिक्र करते हुए कहा कि पत्रकारिता में नेगेटिव खबर का स्थान कम होना चाहिए। पॉजीटिव खबर पर विशेष फोकस होना चाहिए। उन्होंने रायपुर-दुर्ग फोरलेन सड़क निर्माण व तत्कालीन कलेक्टर द्वारा मीडिया से की गई अपील का जिक्र करते हुए कहा कि एक नेगेटिव समाचार समाज को विचलित करती है। वहीं पॉजीटिव समाचार से समाज प्रभावित होता है।

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथे स्तंभ होने के नाते समाज को दिशा देने अनुकूलता का समावेश करें। मंत्री यादव ने कहा कि देश में अमृतकाल चल रहा है, वह सही मायने में भारत, भारतीय और हिन्दु संस्कृति का अमृतकाल है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव और अन्य अतिथियों ने हिन्दी पत्रकारिता पर केन्द्रित बहुमत के 148वें विशेष अंक तथा छत्तीसगढ़ की हिन्दी पत्रकारिता नींव के पत्थर विषय पर आधारित वसुन्धरा के 123वें अंक का लोकार्पण किये।

वक्ताओं ने व्यक्त किए विचार

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता अनंत विजय और डॉ. संजय द्विवेदी तथा अतिथि वक्ता शशांक शर्मा ने भारत बोध, भारतीयता और हिन्दी पत्रकारिता पर विस्तारपूर्वक अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के संयोजक विनोद मिश्र ने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार डॉ. विश्वेश ठाकरे और लेखिका श्वेता उपाध्याय ने की। इस अवसर पर हेमचंद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय तिवारी, विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चन्द्राकर, पूर्व मंत्री रमशीला साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

शिक्षक संघ के अधिवेशन में शामिल हुए मंत्री गजेन्द्र यादव

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की मुख्य आतिथ्य में आज केंद्रीय विद्यालय प्रगतिशील शिक्षक संघ रायपुर संभाग का वार्षिक अधिवेशन पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में आयोजित किया गया। इस वार्षिक अधिवेशन में रायपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले 35 से अधिक केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। अधिवेशन में अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र कुमार मिरी, महासचिव डॉ. अजय आर्य, जगदलपुर, धमतरी, बिलासपुर, महासमुंद, रायपुर, दुर्ग और भिलाई सहित विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने कहा कि यदि समाज में शिक्षा, विद्यालय और विद्यालय परिसर, पढ़ने वाले बच्चे, अभिभावक और स्कूल का माहौल सही हो जाए, तो किसी भी प्रकार के सुधार की आवश्यकता ही नहीं रह जाती। उन्होंने कहा कि शिक्षा सिर्फ रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज को दिशा देने वाला सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण में एक शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक शिक्षक न सिर्फ ज्ञान देता है, बल्कि एक बेहतर समाज भी बनाता है। शिक्षक अगर बच्चों को अच्छा परोसते हैं, तो बच्चे भी वही ग्रहण करते हैं। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ पैसो के लिए नहीं, बल्कि समाज को संवारने के लिए कार्य करें। मंत्री श्री यादव ने कहा कि बच्चों को प्राथमिक स्तर से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त हो। इसके लिए आने वाले शिक्षा सत्र से नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों को ई-क्लास से जोड़ा जाएगा, ताकि वे तकनीकी रूप से भी सक्षम बन सकें। आने वाले समय में स्कूल शिक्षा विभाग हाई स्कूल स्तर पर भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी शिक्षाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा, जिससे बच्चों को भारतीय संस्कृति, नैतिक शिक्षा प्राप्त होगी। शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धतियों की जानकारी देने के लिए विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम्स का आयोजन किया जाएगा। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से शिक्षकों को यह बताया जाएगा कि कैसे बच्चों को प्रभावी और रुचिकर तरीके से पढ़ाया जाए।

नुआखाई महोत्सव : मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा- छत्तीसगढ़ की कृषि उन्नति में उड़िसा समाज की भी अहम भूमिका

■ भिलाई महिला महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय उडिया समाज का आयोजन

दुर्ग। अखिल भारतीय उड़िसा समाज द्वारा नुआखाई महोत्सव का गरिमामय आयोजन भिलाई महिला महाविद्यालय, सेक्टर-9 के ऑडिटोरियम में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि उड़िसा विद्यवानों की भूमि है, वहीं छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कृषि उन्नति में उड़िसा की भी अहम भूमिका रही है। बच्चे पढ़ेंगे तभी समाज आगे बढ़ेगा और भविष्य उज्ज्वल बनेगा। शिक्षा ही किसी भी समाज की असली शक्ति है। उन्होंने कहा कि चाहे उड़िसा की सरकार हो या केंद्र व राज्य सरकार, सभी की प्राथमिकता है कि हर बच्चा पढ़े और आगे बढ़े। उन्होंने समाज के लोगों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। इस दौरान मंत्री श्री यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए लोगों से आग्रह किया कि वे सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर परिवार के पास पक्का मकान हो और इसके लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने उपस्थित आम जनता से कहा कि वे आगे आकर इन योजनाओं से जुड़ें। महोत्सव के अवसर पर लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। इस अवसर पर इस अवसर पर विधायक वैशाली नगर श्री रिकेश सेन, उड़िसा समाज महासचिव श्री तरूण निहाल, भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन अध्यक्ष श्री इन्द्रजीत सिंह छोटू सहित समाज के जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नशा मुक्ति की थीम पर हुआ मैराथन

■ रजत जयंती के अवसर पर समाज कल्याण विभाग का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक जिले में सेवा पखवाड़ा दिवस का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत आज नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत नशामुक्ति थीम पर मैराथन कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के द्वारा किया गया। जिसमें लगभग 200 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। मैराथन दौड़ में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को जनप्रतिधियों एवं अधिकारियों ने हरी झण्डी दिखाई। यह मैराथन दौड़ हिन्दी भवन के पास से नगर पालिक निगम दुर्ग होते हुए वापस वहीं पहुंची।

इस अवसर पर सम्मिलित छात्र-छात्राओं को नशामुक्ति पर आधारित स्लोगन मय टी-शर्ट वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रुप से वेदनारायण चन्द्राकर, पार्षद लीलाधर पाल, पार्षद, सुमीत अग्रवाल, आयुक्त, नगर पालिक निगम दुर्ग, उपसंचालक, समाज कल्याण विभाग दुर्ग के अधिकारी, एपी गौतम, शुक्ला मेम, जिला शिक्षा विभाग दुर्ग, तरुण साहू, साइंस कॉलेज दुर्ग तथा समाज कल्याण विभाग दुर्ग के अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में नशीले पदार्थों एवं मादक द्रव्यों के दुष्प्रभाव की जानकारी प्रदाय करते हुए ड्रग डिमांड की रोकथाम एवं इसमें कमी लाने संबंधी जानकारी प्रदाय करते हुए समस्त प्रकार के नशीली वस्तुओं एवं मादक द्रव्यों से दूर रहते हुए लोगों में जनजागरुकता प्रचारित-प्रसारित कर स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज निर्माण करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में नशामुक्ति हेतु शपथ दिलायी गई।

रिसाली में बनेगा रजत जयंती उद्यान, अधिकारी व कर्मचारियों ने किया पौधारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली नगर पालिक निगम रजत जयंती वर्ष में उद्यान का निर्माण करेगा। आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर उद्यान को संवारने का कार्य किया जा रहा है। रविवार को कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे और वार्ड पार्षद डॉ सीमा साहू ने पौध रोपण किया। वीआईपी नगर गार्डन अब रजत जयंती उद्यान के नाम से जाना जाएगा। इसके लिए उद्यान के आहते को न केवल रंग रोगन किया जाएगा,बल्कि उद्यान के अंदर मरम्मत कार्य कर उसे खूबसूरत बनाया जाएगा। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत रिसाली निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उद्यान में छाया दार और सुंदर पौध का रोपण किया। इस अवसर पर सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता, कार्यक्रम अभियंता डिगेश्वरी चंद्राकर, उप अभियंता गोपाल सिन्हा, राजस्व प्रभारी मंगल कुर्रे, प्रभारी स्वास्थ अधिकारी अमित चंद्राकर, सहायक परियोजना अधिकारी टिकेंद्र वर्मा,एनयूएलएम की अरुणा घृत लहरें, आईरा आनंद, आदित्य ताम्रकार, विजय कश्यप आदि उपस्थित थे।

बैंक लेन की सफाई

निगम के जन स्वास्थ्य विभाग के 100 से भी ज्यादा कर्मचारियों ने निगम क्षेत्र में अभियान चलाया। आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन में ऐसे बैंक लेन की सफाई की जहां गंदगी का अंबार था। इसी तरह जीवीपी प्वाइंट खत्म करने विशेष सफाई अभियान चलाया गया। आयुक्त ने निर्देश दिए है कि गंदगी फैलाने वालों से अर्थ दंड वसूला जाए।

नई सुविधा: पुलगांव मुक्तिधाम परिसर में शेड व प्रतीक्षालय का लोकार्पण

■ मंत्री गजेन्द्र यादव व महापौर अलका ने किया लोकार्पण, क्षेत्रीय विकास में एक और उपलब्धि, नागरिकों ने जताई खुशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 55 पुलगांव मुक्तिधाम परिसर में आज एक महत्वपूर्ण लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत लगभग 31.49 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित शेड एवं प्रतीक्षालय का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, महापौर श्रीमती अलका बाघमार और सभापति श्याम शर्मा ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुक्तिधाम में नव निर्मित शेड और प्रतीक्षालय नागरिकों के लिए बेहतर सुविधा और आरामदायक व्यवस्था उपलब्ध कराएंगे। बारिश, धूप या अन्य मौसम में श्रद्धांजलि सभा के दौरान लोगों को अब परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। साथ ही परिसर को रंगरोगन और सौंदर्यीकरण से आकर्षक और साफ-सुथरा रूप दिया गया है।

आम लोगों को मूलभूत सुविधा मिले इसके लिए हो रहा प्रयास

लोकार्पण अवसर पर कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि निगम क्षेत्र के हर वार्ड में विकास कार्य लगातार किए जा रहे हैं, ताकि आमजन को मूलभूत सुविधाएं सहज रूप से मिल सकें। उन्होंने कहा कि मुक्तिधाम समाज का एक महत्वपूर्ण स्थल है, यहाँ पर नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।

लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर हो रहा योजनाओं का क्रियान्वयन

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि निगम प्रशासन लगातार नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शहर के अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी इसी तरह के विकास कार्य किए जाएंगे। सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि यह निर्माण कार्य नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुँचाने वाला है। इससे न केवल लोगों को सुविधा होगी, बल्कि यह क्षेत्र की बेहतर छवि और समग्र विकास में योगदान देगा।

नागरिकों ने सराहा, बोले- ऐसे निर्माण कार्यों से बढ़ रहा सुविधाओं का स्तर

इस लोकार्पण कार्यक्रम को क्षेत्र के नागरिकों ने सराहा और कहा कि इस तरह के निर्माण कार्यों से शहर के सार्वजनिक स्थलों में सुविधाओं का स्तर लगातार बढ़ रहा है। कार्यक्रम में आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चंद्राकर, काशीराम कोसरे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, मनीष साहू, लीलाधर पाल, नीलेश अग्रवाल, कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, संजय अग्रवाल, साजन जोसफ, पार्षद अश्वनी निषाद, श्रीमती सविता साहू,पूर्व पार्षद दिनेश देवांगन, मंडल अध्यक्ष कौशल साहू, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, उपअभियंता पंकज साहू सहित निगम के कर्मी व क्षेत्र के अनेक सम्मानित नागरिक मौजूद रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

रायपुर निगम महापौर व अधिकारियों ने शारदीय नवरात्रि की दी बधाई

रायपुर। राजधानी रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने समस्त नगरवासियों को आज से 2 अक्टूबर तक होने जा रहे शारदीय नवरात्रि पर्व की शुभकामनायें देते हुए आदिशक्ति जगदम्बा माता से सभी नागरिकों को जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शान्ति प्रदान करने राजधानी शहर रायपुर सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में समृद्धि और खुशहाली लाने कार्य करने सकारात्मक ऊर्जा शक्ति प्रदान करने हेतु जगतमाता के दिव्य श्रीचरणों में विनम्र प्रार्थना की है।

उल्लेखनीय है कि शारदीय नवरात्रि पर्व में आदिशक्ति जगतमाता जगदम्बा की विशेष पूजा-आराधना की जाती है। यह पर्व सभी नागरिकों को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का एक श्रेष्ठ सुअवसर प्रदान करता है। महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने सभी नगरवासियों से छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश पर सभी 10 जोनों के अंतर्गत समस्त 70 वार्डों में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान की सकारात्मक स्वच्छता गतिविधियों में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर रायपुर शहर को स्वच्छ राजधानी शहर बनाने में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील की है।

जैन संवेदना ट्रस्ट ने 9 बुजुर्गों को बांटे श्रवण यन्त्र

रायपुर। राजस्व विभाग से रिटायर्ड खोरबाहरा राम साहू जांजगीर विगत 15 वर्षों से कम सुनाई देने की पीड़ा से व्यथित थे। समाचार पत्रों से पढ़कर उनके पुत्र केडी साहू ने जैन संवेदना ट्रस्ट से सम्पर्क किया और शनिवार को ऋषभदेव जैन मंदिर प्रांगण सदर बाजार में उन्हें श्रवण यन्त्र प्रदान किया गया।

जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि अनेक वर्षों बाद स्पष्ट सुनाई देने की प्रसन्नता उनके चेहरे पर झलक रही थी। बुजुर्ग ने संस्था को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर वीरेन्द्र डागा विशेष रूप से उपस्थित थे। विगत एक पखवाड़े में 70 श्रवण यन्त्र वितरित किये गए। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा शनिवार को वर्द्धमान स्कूल कमासीपारा में बीजापुर की 72 वर्षीय लक्ष्मी चिलमुल के लिए उनकी पुत्री किरण रामटेके को श्रवण यन्त्र दिया गया । किरण ने बताया कि माँ पिछले दो साल से कम सुनाई देने से परेशान है। महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि संस्था द्वारा प्रति शनिवार को बच्चों बुजुर्गों को सुनने की मशीन देने का क्रम जारी है। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा 10100 वीं मशीन का निःशुल्क वितरण किया गया।

जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा मूक पशु पक्षियों की सेवा, मानव सेवा के अंतर्गत श्रवण यन्त्र, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, वैशाखी, बीपी नापने की मशीन, शुगर टेस्टिंग मशीन का निःशुल्क वितरण तथा मानव कल्याण में साधर्मिक भाई बहनों के स्वावलंबी जीवन, व्यवसायिक उत्थान व विवाह योजना पर लगातार कार्य किये जाते हैं। इस सप्ताह के आर साहू, लक्ष्मी चिलमुल, विजया सोनी, रामेश्वर लकड़ा, शितुराम, जमीर भाई, शकीना बानो, राधेलाल जैन, किरण सोनवानी को श्रवण यन्त्र निःशुल्क दिये गए।

युवाओं से सांसद अग्रवाल ने की अपील, नशा छोड़ो स्वस्थ जीवन अपनाओ

नशामुक्त कराए और 11 हजार ईनाम पाएं-कलेक्टर दीपक सोनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बृजमोहन अग्रवाल ने सुभाष स्टेडियम में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित नमो युवा रन में युवाओं को नशे से होने वाले दुष्परिणामों से दूर रहने और पवित्र अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

आगे उन्होंने कहा, जब एक युवा नशे की गिरफ्त में आता है तो केवल उसका जीवन ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज भी प्रभावित होता है। इसलिए हर युवा का स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त रहना राष्ट्र निर्माण के लिए अनिवार्य है। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा एवं पूरी टीम को सार्थक आयोजन के लिए बधाई दी। नशा छोड़ो, स्वस्थ जीवन अपनाओ, यही सशक्त भारत का संकल्प है।

बलौदाबाजार मैराथन में कलेक्टर दीपक सोनी, नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी एवं स्कूली बच्चों ने दौड़ लगाकर नशामुक्ति का सन्देश दिये। इस दौरान उपस्थितों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया गया। नमो मैराथन बलौदाबाजार स्थित अम्बेडकर चौक से प्रातः 7 बजे प्रारम्भ हुआ। कलेक्टर दीपक सोनी एवं नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने हरी झंडी दिखाकर धावकों को रवाना किये। मेराथन दौड़ अम्बेडकर चौक से प्रारम्भ होकर संगी मितान नाशमुक्ति केंद्र में सम्पन्न हुआ। नशामुक्ति केंद्र में रहकर उपचार व काउंसिलिंग के पश्चात् स्वास्थ हुए 5 युवाओं को शाल -श्रीफ्ल देकर सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर दीपक सोनी ने कहा कि नमो मैराथन का उद्देश्य नशा मुक्ति का सन्देश गांव -गांव तक पहुंचाना है शासन की मंशानुरूप जिले को नशामुक्त बनाने जिला प्रशासन प्रयासरत है। उन्होने बताया कि पिछले वर्ष शुरू हुए संगी मितान नशामुक्ति केंद्र का सकारात्मक परिणाम आ रहे है। एक वर्ष में 115 लोगों को नशा मुक्त किया गया है। नाशमुक्ति केंद्र का विस्तार करते हुए भाटापारा में भी शुरू कोयन जाएगा। नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने

कहा कि नशे के विरुद्ध सबको एकजुट होना होगा। इस तरह के आयोजन से लोगों को एक सन्देश जाता है। वर्तमान में युवाओं में नशे की लत एक गंभीर समस्या है। हम सभी को यह संकल्प लेना होगा कि युवाओं को नशे के चंगुल से बचाना है।

इस दौरान कलेक्टर सोनी एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्री जैन ने संगी मितान नशामुक्ति केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होने केंद्र में भर्ती युवाओं से पूछताछ की और उन्हें नशे से दूर रहने की समझाईश दी। उन्होंने नाशमुक्ति केंद्र से नशामुक्त हुए युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अपने आस -पास के कम से कम 5 लोगों को नशामुक्त करने पर 11 हजार रुपये पुरस्कार स्वरुप प्रदान करने की बात कही।कलेक्टर ने बस स्टैंड स्थित रैन बसेरा को ऑब्जरवेशन सेंटर के रुप में शुरू करने कहा जिसमें नशामुक्ति केंद्र में उपचार के बाद कुछ दिन वहां निगरानी में रखा जाएगा। उन्होंने केंद्र में भर्ती होने वालों का नियमित स्वास्थ्य जांच, काउंसलिंग, डाक्टर के विजिट का रजिस्टर संधारण, गुणवायुक्त भोजन, सीसीटीवी कैमरे का नियमित निगरानी एवं एक्सेस उप संचालक को भी देने के निर्देश दिये। उन्होंने केंद्र में भर्ती हुए युवाओं की मांग पर किताब और पत्रिका उपब्ध कराने कहा। इसके साथ ही शौचालय की संख्या बढ़ाने एवं शिकायत पेटी रखने के निर्देश दिये गये।

भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनने की ओर हो रहा अग्रसरः अजय चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा रायपुर शहर जिला द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन टाऊन हॉल में सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम के प्रारंभ में शहर जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि प्रबुद्ध सम्मेलन के माध्यम से जो सुझाव आते है उसे केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा लागू किया जाता है जिससे सरकार में जनता की भागीदारी स्पष्ट रूप से दिखती है।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुरूद विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा कि अब विश्व के किसी भी देश की हिम्मत नहीं है कि वे भारत की तरफ आंख उठाकर देख सके, चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में गांव में महिलाओं को शौच जाने के लिए रात होने का इंतजार करना पड़ता था एवं पीने के पानी के लिए हमारी देश की माताएं लंबी कतार में लगकर अपनी बारी आने का इंतजार करती थी, आज पूरे देश के हर घर में ना केवल शौचालय उपलब्ध है बल्कि पानी की पाइपलाइन भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

श्री चंद्राकर ने कहा कि भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है एवं अब भारत सामानों का आयतङ्कनिर्यात डॉलर में नहीं रूपयों में करता है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी,वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक बजाज,चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश थोरानी, कैट के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत तुषार चोपड़ा, अकबर अली, राजकुमार राठी, सोनू सलूजा, नवीन शर्मा, नवीन जैन,हरीश ठाकुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमित मैशेरी एवं आभार प्रदर्शन राजकुमार राठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर व्यास, जसप्रीत सिंह, कांति पटेल, डॉ.सुजीत परिहार, पूजा शर्मा, सीए अमिताभ दुबे, ई.प्रेमरतन माहेश्वरी,अजय पाणिकर, अधिवक्ता सविता गुप्ता, स्मिता पांडे, बिंदिया अग्रवाल, वेदिका जैन, लोकेश चंद्रकांत जैन,संतोष श्रीवास्तव, मोनू आहूजा, सुब्रत घोष, जितेंद्र नाग, जयराम कुकरेजा, रमेश शर्मा, दीपक शर्मा,खेम सेन,राम प्रजापति, संतोष जैन, सरिता साहू, उत्तम पटेल, रविंद्र सिंह ठाकुर, संजीव सोनी, निखिल सोनी, विकास सोनी, अशोक गुप्ता, अनिल गुप्ता, अखिल चटर्जी,मुकेश गौर, मिनी पांडे, सौरभ पाठक सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत भाजपा फाफाडीह मंडल ने पंडरी तालाब में चलाया सफाई अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मना रही है जिसमें भाजपा फाफाडीह मंडल के द्वारा आज शहीद हेमू कालाणी वार्ड-28 के पंडरी तालाब के अंदर फैली गंदगी को हटाकर साफ -सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया गया ।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप रायपुर नगर निगम में MIC सदस्य एवं राजीव गांधी वार्ड-13 के पार्षद महेन्द्र खोडियार, पूर्व पार्षद गोपाल सोना, पूर्व मंडल अध्यक्ष कमलेश शर्मा, भाजपा फाफाडीह मंडल परिवार रायपुर छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष जितेन्द्र गंडेचा, महामंत्री संजय शर्मा, भगवान यादव, मंत्री दीपेश निर्मलकर, डीएस नायक, अशोक बघेल, जितु सागर, नरेन्द्र जंघेल, मोहित बाग, रोहित पिथालिया, मनोज भाई, नवीन वर्मा, तरूण गुप्ता, भाजपा फाफाडीह मंडल के बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित हैं।

शिविर का उद्देश्य व्यापारियों व लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कराना-सतीश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और काश फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में 20 सितंबर को एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में ब्लड डोनेशन, हेल्थ चेकअप, आई चेकअप और डेंटल चेकअप, एचपीएलसी टेस्ट, बोन डेंसिटी टेस्ट, शुगर टेस्ट एवं इसीजी जैसी प्रमुख सुविधाएँ उपलब्ध थीं, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों एवं आमजनों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें एक ही जगह पर कई तरह की चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराना था। इस दौरान, अनुभवी डॉक्टरों और चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम ने लोगों की स्वास्थ्य जांच की और उन्हें जरूरी परामर्श भी दिया।

चेंबर कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी ने बताया कि चेंबर लगातार इस प्रकार के आयोजन करता आ रहा है तथा इस तरह के आयोजन सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा हैं और भविष्य में भी ऐसे जनहितैषी कार्य जारी रहेंगे। उन्होंने आगे बताया कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है। एक स्वस्थ समाज ही एक मजबूत और समृद्ध राज्य का निर्माण कर सकता है। हम सिर्फ व्यापार और उद्योग के बारे में ही नहीं सोचते, बल्कि हमारी सामाजिक जिम्मेदारियां भी हैं, जिन्हें हम पूरी निष्ठा से निभाते हैं। यह शिविर उसी दिशा में उठाया गया एक छोटा सा, लेकिन महत्वपूर्ण कदम है।

चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष राधाकिशन सुन्दरानी ने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन में उन सभी डॉक्टरों, चिकित्सा कर्मियों और स्वयंसेवकों का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया. साथ ही, मैं काश फाउंडेशन का भी धन्यवाद करता हूँ, जिनके सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। वहीं, काश फाउंडेशन ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ समाज ही एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखता है। इस सफल आयोजन के लिए दोनों संस्थाओं ने शिविर में आए सभी लोगों, रक्तदाताओं और चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर चेम्बर सलाहकार- लखमशी पटेल, अमर गिदवानी, वाइस चेयरमेन चेतन तारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राधाकिशन सुन्दरानी, राजेश वासवानी, उपाध्यक्ष- राजकुमार तारवानी, जितेन्द्र शादीजा, दिलीप इसरानी, संतोष जैन, प्रकाश लालवानी, सुदेश मध्यान, डॉ. गोपाल चावला, श्रीमती सौम्या साहू, अमरदास खट्टर, महेन्द्र कुमार बागड़ोदिया, मनीष प्रजापति, राजेश गुरनानी, सांस्कृतिक प्रभारी अनिल जोतसिंघानी, महेन्द्र तलरेजा, मंत्री-प्रेमप्रकाश मध्यानी, रितेश वाधवा, मनीष मोटवानी, जतिन नचरानी, विनोद पाहवा, शांतिलाल बैद, छत्तीसगढ़ सिंघी पंचायत अध्यक्ष महेश दरयानी, संघ- सुखा मेवा व्यापारी संघ दीपक जैन,रायपुर सीमेंट मर्चेन्ट एसोसियेशन से हरीश संतवानी, रायपुर सायकल एसोसियेशन से अशोक छाबड़ा, छत्तीसगढ़ ग्लास एसोसियेशन अध्यक्ष प्रहलाद शादीजा, सदस्य-सुरेश सचदेव, काजल सचदेव, विज्जू मत्थानी, मनीष शाह, विनोद संतवानी, प्रहलाद शादीजा, विकास तारवानी, मोहन वर्ल्यानी, विजय पडालिया, हेमंत यदु, तिलक कंवर, हेमंत कुमार, जय कुमार बजाज, विश्व साहू, कपिल अग्रवाल, रमेश माखीजा, विनोद संतवानी, किशोर लालवानी, विकास तारवानी, अमर लाल, सोनल संतवानी, दिशिका संतवानी, निखिल पंड्या, प्रेम सिंह,महिला चेम्बर महामंत्री- मनीषा तारवानी, कोषाध्यक्ष-नम्रता अग्रवाल, उपाध्यक्ष-मनीषा सिंह, पल्लवी चिमनानी, हेमल शाह सहित व्यापारीगण उपस्थित रहे।

वरिष्ठ भाजपा नेता सुन्दरानी सहित 150 भाजपा कार्यकर्ताओं ने देखी फिल्म "द बंगाल फाइल्स"

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीचंद सुन्दरानी सहित लगभग 150 की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता अम्बुजा मॉल, रायपुर पहुँचे। जहां उन्होंने सामूहिक रूप से चर्चित फिल्म "दा बंगाल फाइल्स" का शो सायं 06 बजे देखा। कार्यक्रम के दौरान उत्साह एवं जोश का माहौल देखने योग्य था। सुन्दरानी जी ने इस अवसर पर कहा कि यह फिल्म 1940 के दशक में विभाजन से पहले बंगाल में हुए साम्प्रदायिक हिंसा के घटनाओं का चित्रण करती है।

इस अवसर पर अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं युवा साथियों ने भी अपने विचार साझा किए। इस दौरान फिल्म देखने सीआईडीसी के चेयरमैन राजीव अग्रवाल, सुनील चौधरी, लता चौधरी, महेंद्र खोडियार, संतोष साहू, अनूप खेलकर, गोरेलाल नायक, कमलेश शर्मा, विपिन पटेल, गोपाल ठाकरे, संदीप जंघेल, राजेश गुरनानी, केदार यादव, बृजेश राउत सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस-अधिकारी व बल सदस्यों को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में रेलवे सुरक्षा बल ने शनिवार को अपना स्थापना दिवस समारोह रिजर्व लाइन, बैरक प्रांगण के मैदान में उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त मुनव्वर खुर्शीद ने परेड की सलामी ली और उपस्थित बल सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने आरपीएफ के गौरवशाली इतिहास और कर्तव्यों पर प्रकाश डाला, साथ ही बल सदस्यों को ईमानदारी, निष्ठा और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए कर्तव्य निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 40 अधिकारियों और बल सदस्यों को उनके सराहनीय कार्य के लिए पुरस्कार और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. सामाजिक जिम्मेदारी के तहत 50 से अधिक आरपीएफ अधिकारियों और कर्मचारियों ने रेलवे अस्पताल, बिलासपुर में रक्तदान किया।

कार्यक्रम में उप महानिरीक्षक-सह-मुख्य सुरक्षा आयुक्त, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, सहायक सुरक्षा आयुक्त और रेलवे सुरक्षा बल के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे. इस समारोह ने आरपीएफ की प्रतिबद्धता और सेवा भावना को उजागर करते हुए बल सदस्यों में जोश और उत्साह का संचार किया।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

खूबसूरत माडल एडिन रोज को हुआ क्रिकेटर श्रेयस अय्यर से प्यार! इस कदर हुई दीवाने की, कर दिया बड़ा खुलासा

क्रिकेटर श्रेयस अय्यर आजकल भारतीय क्रिकेट में तेजी से छा रहे हैं। इन दिनों वे अपने खेल के साथ साथ अपनी पर्सनैलिटी और व्यवहार से भी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रहे है। श्रेयस अय्यर के देश और दुनिया में फैंस की कमी नहीं है। एक मॉडल और अभिनेत्री श्रेयस अय्यर को इस कदर चाहती है कि उन्होंने अय्यर को अपने होने वाले बच्चे का पिता तक मान लिया है।

जी हां हम बात कर रहे है बिग बास 18 में भाग ले चुकी कंटेस्टेंट एडिन रोज की, जिन्होंने अपने एक हालिया साक्षात्कार में अय्यर को लेकर यह बयान दिया है।

उनका यह बयान खूब सुर्खियों में छाया हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं मन ही मन श्रेयस अय्यर से शादी कर चुकी हूं। मेरा मानना है कि मैं श्रेयस अय्यर के बच्चे की मां हूं। वो मुझे हर रोज प्रेरित करते हैं। उनकी विनम्रता, उनका फोकस और उनका व्यवहार जो मुझे सबसे ज्यादा अच्छा लगता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एडिन रोज का जन्म दुबई में हुआ था। वे वर्ष 2020 में भारत आकर सेटल हो गईं। वे माडलिंग के साथ-साथ अभिनेत्री भी हैं। एडिन रोज ने विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को एक परफेक्ट कपल बताया है।

साथ ही उन्होंने अपने आदर्श पार्टनर के बारे में चार आयडल बातों के बारे में भी बात कर चुकी हैं। आपको बता दें कि एडिन रोज अपने इंस्टाग्राम पर फोटोज ओर वीडियोज शेयर करती है, जिनपर फैंस खूब कमेंट और लाइक करते है।

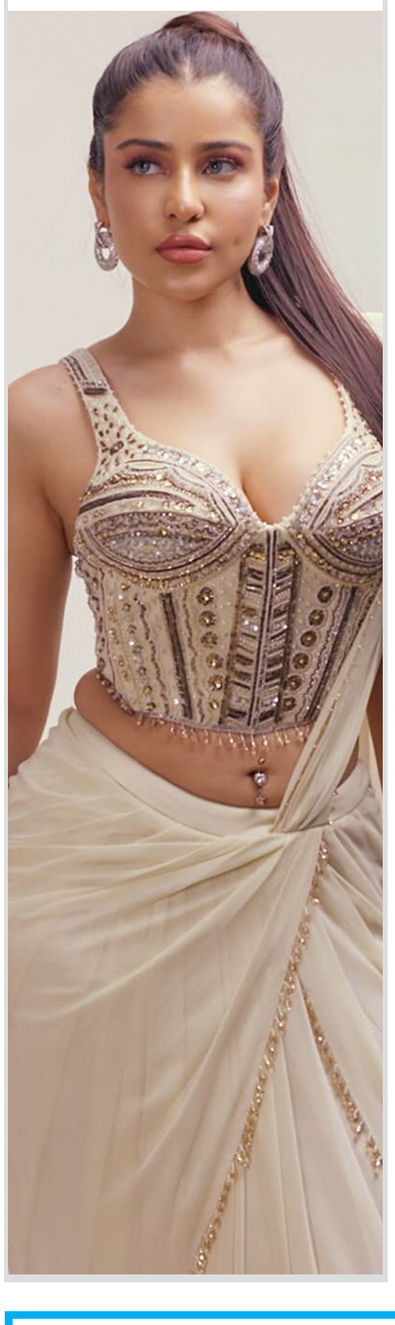

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने पलटी बाजी, 'कल्कि 2898 एडी' छोड़ 'किंग' में शाहरुख के साथ मचाएंगी तहलका

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इस समय काफी चर्चा में बनी हुई हैं. एक्ट्रेस ने 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से दूरी बना ली हैं। वहीं अब दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए पुष्टि की है कि वह अपने 'जवान' सह-कलाकार शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' का हिस्सा होंगी।

आपको बता दें दीपिका पादुकोण ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की जिसमें दीपिका शाहरुख खान का हाथ पकड़े नजर आ रही हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, लगभग 18 साल पहले ओम शांति ओम की शूटिंग के दौरान उन्होंने मुझे जो पहला सबक सिखाया था, वह यह था कि फिल्म बनाने का अनुभव और आप जिन लोगों के साथ इसे बनाते हैं, वे इसकी सफलता से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं। मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं और तब से मैंने अपने हर फैसले में उस सीख को लागू किया है। और शायद यही वजह है कि हम साथ में अपनी छठी फिल्म बना रहे हैं?

वैजयंती मूवीज ने एक्स पर एक आधिकारिक नोट के जरिए दीपिका के कल्कि 2898 एडी सीक्वल से बाहर होने की पुष्टि की। उन्होंने एक्स पर इस बात की पुष्टि करते हुए लिखा, यह आधिकारिक तौर पर घोषणा की जाती है कि दीपिका पादुकोण कल्कि 2898 एडी के आगामी सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श के बाद, हमने अलग होने का फैसला किया है। पहली फिल्म बनाने के लंबे सफर के बावजूद, हम साझेदारी नहीं कर पाए और कल्कि 2 जैसी फिल्म उस प्रतिबद्धता और उससे भी कहीं ज्यादा की हकदार है। हम उनके भविष्य के प्रोजेक्ट्स के लिए शुभकामनाएँ देते हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित किंग में शाहरुख के साथ फिर से काम करेंगी। फिल्म में सुहाना खान, जैकी श्रॉफ, अनिल कपूर, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत और अभय वर्मा जैसे दमदार कलाकार भी शामिल हैं. इस बीच, दीपिका एटली की अपकमिंग एक्शन फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ अभिनय करने के लिए भी तैयार हैं, जो वर्तमान में AA22×A6 शीर्षक के तहत काम कर रही है।

अनुराग कश्यप की बैड गर्ल हिंदी में 26 सितंबर को होगी रिलीज

वर्षा भरत द्वारा निर्देशित, यह एक शानदार फीचर निर्देशन वाली फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री अंजलि शिवरामन मुख्य भूमिका में हैं। वह चेन्नई में प्यार और वासना के बीच झूलती एक किशोरी की भूमिका निभा रही हैं। इस महीने की शुरुआत में तमिलनाडु में रिलीज होने के बाद, दर्शकों की बढ़ती माँग के कारण बैड गर्ल के निर्माता अब इसे हिंदी में रिलीज करेंगे।

प्रस्तुतकर्ता के रूप में शामिल हुए अनुराग कश्यप कहते हैं कि बैड गर्ल उनके द्वारा पढ़ी गई सबसे मौलिक कहानियों में से एक है। जब मैंने इसे पहली बार पढ़ा, तो मुझे याद आया कि कैसे एक युवा फिल्म निर्माता के रूप में, मैं साहसिक कहानियाँ कहना चाहता था, और वर्षा ने मेरी सभी उम्मीदों से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्म बनाई है। उनकी आवाज पर ध्यान देना जरूरी है, और हमें इस फिल्म को हिंदी में रिलीज करने में खुशी हो रही है, क्योंकि हम जानते हैं कि यह एक ऐसी कहानी है जो देश में पल रही हर लड़की से जुड़ी होगी।

वेत्रिमारन की ग्रास रूट फिल्म कंपनी द्वारा निर्मित और कार्यकारी निर्माता रंजन सिंह द्वारा निर्मित, बैड गर्ल में शांतिप्रिया भी हैं। फिल्म का वितरण फ्लिप फिल्म्स द्वारा किया जाएगा।

वर्षा कहती हैं कि यह फिल्म एक ऐसी कहानी कहने की जरूरत से पैदा हुई जो उनके आस-पास की दुनिया के प्रति ईमानदार लगे— जहाँ महिलाओं को लगातार परिभाषित, सीमित और आंका जाता है। फिल्म के माध्यम से, मैं लेबल के मूल विचार पर सवाल उठाना चाहती थी और यह कि महिलाओं को कमतर आंकने के लिए इनका कितनी आसानी से इस्तेमाल किया जाता है।

मेरे लिए, इसे अपनी पहली फिल्म के रूप में निर्देशित करना मुक्तिदायक और चुनौतीपूर्ण दोनों रहा है, लेकिन यह सफर हर कदम के लायक रहा है। मैं रोमांचित हूँ कि यह फिल्म अब हिंदी दर्शकों से जुड़ेगी, और मुझे उम्मीद है कि यह उनसे अप्रत्याशित तरीकों से जुड़ेगी। अनुराग कश्यप और वेत्री मारन का फिल्म में साथ मिलना एक दुर्लभ सौभाग्य है, उनका विश्वास मुझे याद दिलाता है कि जोखिम उठाना और अपने दृष्टिकोण पर अडिग रहना क्यों महत्वपूर्ण है।

मैं वाकई बहुत उत्साहित हूँ कि यह फिल्म अब हिंदी दर्शकों तक पहुँचेगी – मेरा मानना है कि इसके विषय सार्वभौमिक हैं, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म के सफर में खुद को भी देख पाएँगे।

अंजलि शिवरामन, जिन्हें पहले नेटफ्लिक्स के क्लास में देखा गया था, के लिए बैड गर्ल का हिस्सा बनना उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण और पुरस्कृत अनुभवों में से एक था। इस भूमिका ने मुझे पहचान, आजादी और महिलाओं द्वारा रोजाना झेले जाने वाले निर्णयों से जुड़े कई सवालों का सामना करने के लिए प्रेरित किया।

ऐसा अक्सर नहीं होता कि आपको एक ऐसे किरदार में ढलने का मौका मिले जो बेबाकी से अपनी पहचान बनाए रखे, तब भी जब दुनिया उसे स्वीकार करने से इनकार कर दे।

घर पर आसानी से की जा सकती है हाथ और पैरों की वैक्स

हाथ और पैरों के अनचाहे बालों को हटाने के लिए वैक्सिंग एक अच्छा तरीका है। इससे त्वचा चिकनी और साफ रहती है। अगर आप पहली बार वैक्सिंग करने जा रहे हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सबसे पहले अपने शरीर को अच्छी तरह साफ करें, फिर वैक्सिंग के लिए जरूरी सामान का इस्तेमाल करें। इसके बाद त्वचा की देखभाल करें। इस लेख में हम आपको हाथ-पैरों की वैक्सिंग करने का तरीका बताएंगे।

वैक्सिंग के सामान का चयन करें

हाथ-पैरों की वैक्सिंग के लिए सही सामान का चयन करना बहुत जरूरी है। बाजार में कई प्रकार की वैक्सिंग सामग्री मिलती हैं, जिनमें गर्म और ठंडी वैक्स होती हैं। गर्म वैक्स अधिक प्रभावी होती है क्योंकि यह बालों को जड़ से निकालती है, जबकि ठंडी वैक्स कम असरदार होती है। अगर आप पहली बार वैक्सिंग कर रहे हैं तो ठंडी वैक्स का इस्तेमाल करें क्योंकि यह कम दर्द देती है।

त्वचा को तैयार करें

वैक्सिंग से पहले त्वचा को अच्छी तरह साफ करना चाहिए ताकि किसी भी प्रकार की धूल-मिट्टी नहीं रह जाएं। इसके लिए आप हल्के साबुन और पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद त्वचा को सुखाने के लिए तौलिए का उपयोग करें। इससे वैक्सिंग प्रक्रिया के दौरान चिपचिपाहट नहीं होगी और वैक्सिंग उत्पाद अच्छी तरह से त्वचा पर लग सकेंगे। साफ-सफाई से त्वचा की तैयारी अच्छे से हो जाएगी।

वैक्सिंग प्रक्रिया शुरू करें

वैक्सिंग प्रक्रिया शुरू करने से पहले वैक्सिंग उत्पाद को हल्का गर्म करें ताकि वह आसानी से फैल सके। इसके लिए आप माइक्रोवेव या गैस स्टोव का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद वैक्सिंग उत्पाद को धीरे-धीरे हाथों या स्पैटुला की मदद से उन हिस्सों पर लगाएं जहां से बाल हटाने हैं। ध्यान रखें कि वैक्सिंग उत्पाद को बालों की दिशा के विपरीत लगाना चाहिए ताकि बाल अच्छे से निकल सकें और प्रक्रिया कम दर्दनाक हो।

वैक्स हटाने का तरीका

वैक्सिंग उत्पाद लगाने के बाद उसे ठंडे पानी से ठंडा करें ताकि वैक्स सेट हो जाए। इसके बाद स्पैटुला या हाथों की मदद से वैक्स को धीरे-धीरे हटाएं। ध्यान रखें कि वैक्स हटाने के दौरान त्वचा को खींचें नहीं बल्कि धीरे-धीरे ऊपर की ओर खींचें। इससे दर्द कम होगा और बाल जड़ से निकलेंगे। अगर कुछ बाल रह जाएं तो उन्हें चिमटी की मदद से निकाल सकते हैं।

बाद में माइस्चराइजर लगाएं

वैक्सिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद त्वचा को ठंडा रखने के लिए बर्फ रगड़ सकते हैं या ठंडे पानी से स्नान कर सकते हैं। इसके बाद माइस्चराइजर या एलोवेरा जेल लगाएं ताकि त्वचा मुलायम बने रहे। इससे आपकी त्वचा न केवल साफ-सुथरी रहेगी बल्कि मुलायम भी महसूस होगी। इस प्रकार इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से घर पर ही हाथ-पैर की वैक्सिंग कर सकते हैं।

तेलुगु सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं रितिका नायक, जो फिल्म मिराई में अपनी मासूमियत से जीत रहीं दिल?

तेजा सज्जा और मांचू मनोज की एक्शन एडवेंचर फिल्म मिराई 12 सितंबर को रिलीज हुई थी और इसे समीक्षकों से बढ़िया प्रतिक्रिया मिली, वहीं दर्शक भी इस फिल्म को काफी पसंद कर रहे हैं, जिसका असर इसकी कमाई पर साफ दिख रहा है। मिराई में रितिका नायक भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उनकी खूबसूरती और मासूमियत ने लोगों को प्रभावित किया है। आइए बताते हैं आखिर फिल्म मिराई की हीरोइन रितिका हैं कौन।

रितिका तेलुगु सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 28 अक्टूबर, 1997 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सफदरजंग एन्क्लेव के दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल से पूरी की। अभिनेत्री ने साल 2019 में दिल्ली टाइम्स के फ्रेश फेस के 12वें सीजन का खिताब अपने नाम किया था। अलग-अलग शहरों में आडिशन देने के बाद रितिका ने 2022 में आई तेलुगु फिल्म अशोक वनमलो अर्जुन कल्याणम् के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

इसके बाद रितिका साल 2023 में आई नानी और मृणाल ठाकुर की फिल्म हाय नाा में नजर आईं। इस फिल्म में रितिका के काम को काफी सराहा गया, लेकिन इसमें उनका सिर्फ एक कैमियो था। अशोक वनमलो अर्जुन कल्याणम् और हाय नाा के बाद अब मिराई रितिका की तीसरी फिल्म है। रितिका की आने वाली फिल्मों में विजय देवरकोंडा के भाई आनंद देवरकोंडा की फिल्म डुएट शामिल है। इसके अलावा उनके पास फिल्म वीटी 15 भी है।

अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करें लैक्टिक एसिड, इससे आपकी त्वचा को होंगे फायदे

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, त्वचा का निखार कम होता जाता है। चेहरे पर महीन रेखाएं और झुर्रियां नजर आने लगती हैं और दाग-धब्बे भी लुक को बिगाड़ देते हैं। अगर आप भी इन समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो आपको त्वचा की देखभाल के लिए लैक्टिक एसिड इस्तेमाल करना चाहिए। यह एक अल्फा हाइड्रक्सी एसिड होता है, जो दूध और फेर्मेंटेड उत्पादों से प्राप्त होता है। आइए इसे इस्तेमाल करने के मुख्य लाभ जानते हैं।

महीन रेखाओं और झुर्रियों से मिलता है छुटकारा

बढ़ती उम्र के कारण पैदा होने वाली समस्याओं को दूर करने में लैक्टिक एसिड बेहद मददगार साबित हो सकता है। इसके नियमित इस्तेमाल से आप चेहरे पर नजर आने वाली महीन रेखाओं को कम कर सकते हैं। साथ ही इसे लगाने से झुर्रियों का भी सफाया हो जाता है। कोशिकाओं की मरम्मत करने और कोलेजन को बढ़ावा देने वाले गुणों के चलते लैक्टिक एसिड धीरे-धीरे त्वचा की बनावट में सुधार करता है और उसे मुलायम बना देता है।

त्वचा में आता है निखार

कई लोगों की त्वचा पर धूप के संपर्क में आने से असमान रंगत और दाग-धब्बे हो जाते हैं। ऐसे में लैक्टिक एसिड का उपयोग करना फायदेमंद साबित हो सकता है। यह पुरानी कोशिकाओं को हटाकर नई कोशिकाएं पैदा करता है, जिससे धब्बे हल्के होने लगते हैं और रंजकता भी दूर हो जाती है। अगर आप इसे रोजाना इस्तेमाल करेंगे तो कुछ ही समय में आपकी त्वचा प्राकृतिक रूप से निखरी और बेदाग दिखने लगेगी।

बढ़ता है कोलेजन

कोलेजेन एक प्रकार का प्रोटीन होता है, जो त्वचा में कसाव लाने और उसे हाइड्रेट करने का काम करता है। बढ़ती उम्र के साथ त्वचा में यह प्रोटीन कम होने लगता है, जिससे झुर्रियां आदि बढ़ जाती हैं। त्वचा पर लैक्टिक एसिड लगाने से कोलेजन का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। इससे आपकी त्वचा में कसाव बना रहेगा और आप जवान नजर आएंगे। इतना ही नहीं, इसके इस्तेमाल से त्वचा को हाइड्रेटेड रखने में भी मदद मिलेगी।

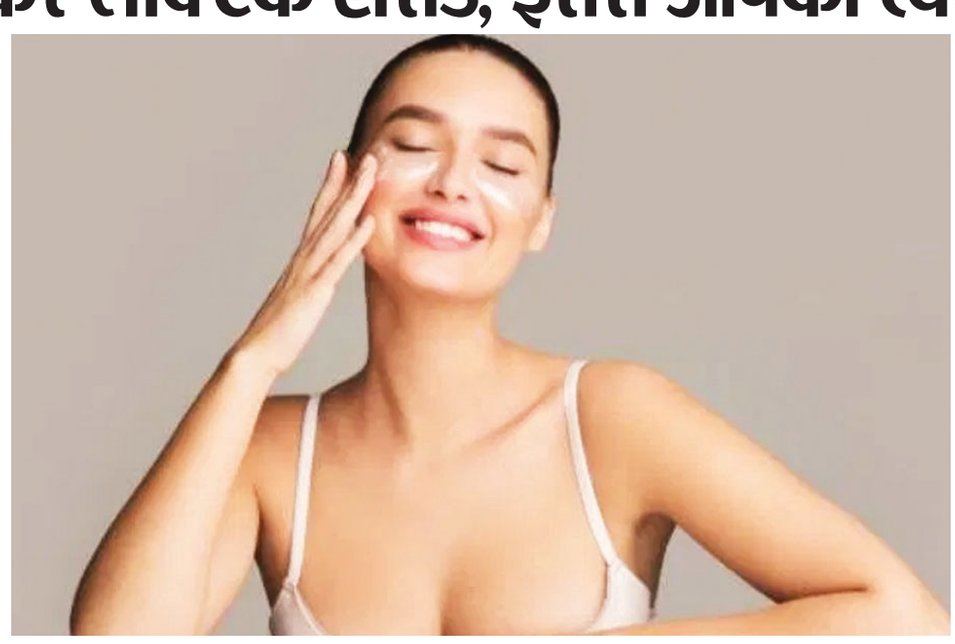

त्वचा होती है एक्सफोलिएट

लैक्टिक एसिड सौम्य तरीके से त्वचा को एक्सफोलिएट करने का काम करता है। यह कठोर स्क्रब की तरह त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाता और उसे गहराई तक साफ भी कर देता है। इसका काम प्राकृतिक रूप से मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाकर नई कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ाना होता है। साथ ही इसके जरिए ब्लैकहेड्स का भी सफाया हो जाता है, जिससे त्वचा साफ नजर आती है। लैक्टिक एसिड रोमछिद्रों को कम करने में भी मदद करता है।

संवेदनशील त्वचा के लिए सुरक्षित

जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उन्हें ज्यादातर सक्रीय सामग्रियों से परहेज करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, ऐसे लोग लैक्टिक एसिड को त्वचा की देखभाल का हिस्सा बना सकते हैं। यह सामग्री कोमल होती है, जो बिना जलन पैदा किए त्वचा को एक्सफोलिएट करती है। इसके अणु बड़े आकार के होते हैं, जो अन्य एसिड की तुलना में त्वचा में धीरे और कम गहराई तक प्रवेश करते हैं।

पीएम मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन, जीएसटी सुधारों पर कहा- देश में उत्साह का माहौल, आत्मनिर्भर भारत पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्र के नाम संदेश दिया। 22 सितंबर से जीएसटी रिफॉर्म लागू हो रहा है और पीएम मोदी ने इस पर कई बातें कही। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए की। उन्होंने कहा कि नवरात्र के प्रथम दिवस सूर्योदय के साथ ही नेकस्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स शुरू हो जाएंगे। जीएसटी बचत महोत्सव शुरू हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी बचत उत्सव में आपकी बचत बढ़ेगी और आप अपनी पसंद की चीजों को और ज्यादा आसानी से खरीद पाएंगे। हमारे देश के गरीब, मध्यम वर्गीय लोग, न्यू मिडिल क्लास, युवा, किसान, महिलाएं, दुकानदार, व्यापारी, उद्यमी, सभी को ये बचत उत्सव का बहुत फायदा होगा। यानी त्योहारों के इस मौसम में सबका मुंह मीठा होगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के हर परिवार की खुशियां बढ़ेंगी। मैं देश के कोटि-कोटि परिवारजनों को नेक्सट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स की बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं। ये बदलाव भारत की ग्रोथ स्टोरी को आगे बढ़ाएंगे। कारोबार को और आसान बनाएंगे। निवेश को और आकर्षक बनाएंगे और हर राज्य को विकास की दौड़ में बराबरी का साथी बनाएंगे। साथियों जब साल 2017 में जीएसटी रिफॉर्म्स की तरफ कदम बढ़ाया था, तब नया इतिहास रचने की शुरुआत हुई थी। आप सभी लोगों को देश के व्यापारी, अलग-अलग टैक्स के जाल में उलझे हुए थे। एंट्री टैक्स, सेल्स टैक्स, एक्साइज, वैट, सर्विस टैक्स न जाने भांति-भांति के दर्जनों टैक्स देश में थे।

पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग जगहों पर माल भेजना हो तो पता नहीं कितने चेक पोस्ट पार करने पड़ते थे, कितने फॉर्म भरने पड़ते थे। हर जगह टैक्स के अलग-अलग नियम थे। जब 2014 में देश ने मुझे प्रधानमंत्री पद का दायित्व सौंपा था, तब एक विदेशी अखबार में एक दिलचस्प उदाहरण छपा था। उसमें एक कंपनी की मुश्किलों का जिक्र था। उस कंपनी ने कहा था कि अगर उसे बंगलूरू से 570 किलोमीटर दूर हैदराबाद अपना सामान भेजना हो तो वो इतना कठिन था कि उन्होंने सोचा और कहा कि वो पसंद करती थी कंपनी कि पहले अपना सामान बंगलूरू से यूरोप भेजें और फिर वही सामान यूरोप से हैदराबाद भेजें। साथियों टैक्स और टोल के जंजाल से ये तबके हालात थे। और मैं आपको सिर्फ एक पुराना उदाहरण याद दिला रहा हूं। तब लाखों कंपनियों और देशवासियों को अलग-अलग तरह के

टैक्स के जाल की वजह से रोज परेशानी होती थी। सामान को एक शहर से दूरे शहर पहुंचने के बीच जो खर्च बढ़ता था, वो खर्च भी गरीब को उठाना पड़ता था। वो खर्च ग्राहकों को उठाना पड़ता था। देश को इस से निकालना जरूरी था।

पीएम मोदी ने कहा कि जब आपने हमें 2014 में मौका दिया तो हमने जीएसटी को अपनी प्राथमिकता बनाया। हमने हर राज्यों की हर शंका का निवारण किया। हर सवाल का समाधान खोजा। सभी राज्यों को साथ लेकर आजाद भारत का इतना बड़ा टैक्स सुधार संभव हो पाया। ये केंद्र और राज्यों के प्रयासों का नतीजा था कि देश दर्जनों टैक्स के जाल से मुक्त हो गया। अब पूरे देश के लिए एक जैसी व्यवस्था बनी है। वन नेशन, वन टैक्स का सपना साकार हुआ। साथियों रिफॉर्म एक अनवरत चलने वाली प्रक्रिया होती है। जब समय बदलता है, देश की जरूरत बदलती है तो नेक्सट जेन रिफॉर्म्स भी उतने ही आवश्यक होते हैं। वर्तमान जरूरतों और भविष्य को देखते हुए जीएसटी के नए सुधार लागू हो रहे हैं। अब सिर्फ 5 फीसदी और 18 फीसदी के ही टैक्स स्लैब रहेंगे। यानी रोजमर्रा के इस्तेमाल की ज्यादा सस्ती हो जाएंगे। खाने-पीने का सामान, दवाइयां, ब्रश-पेस्ट, बीमा। ऐसे ज्यादातर सामान पर या तो टैक्स शून्य होगा या 5 फीसदी टैक्स होगा। जिन सामानों पर पहले 12 फीसदी टैक्स लगता था, उनमें से करीब 99 फीसदी चीजें अब पांच फीसदी टैक्स के दायरे में हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में देश में 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को हराया है। गरीबी को परास्त किया है और गरीबी से बाहर निकलकर एक बहुत बड़ा समूह नियो मिडिल क्लास के तौर पर बड़ी भूमिका अदा कर रहा है। इस क्लास की अपनी महत्वाकांक्षाएं और सपने हैं। इस साल सरकार ने 12 लाख तक की इनकम को टैक्स मुक्त कर उपहार दिया और जब 12 लाख तक वेतन पर टैक्स शून्य हो जाए तो मध्यमवर्ग को तो काफी सुविधा हो जाती है। अब गरीब की बारी है. नियो मिडिल क्लास की बारी है। अब इन्हें डबल बोनांजा मिल रहा है। जीएसटी कम होने से देश के नागरिकों के लिए अपने सपने पूरे करना और आसान होगा। घर बनाना, स्कूटर-कार खरीदना हो, इन सब पर अब कम खर्च करना होगा। अब आपका घूमना भी सस्ता होगा, क्योंकि होटल के कमरों पर भी जीएसटी कम कर दिया गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि दुकानदार भाई-बहन जीएसटी सुधार को लेकर उत्साह में है। वे इसके फायदों को ग्राहकों को पहुंचाने में जुटे हैं। हम नागरिक देवो भव: के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अगर हम इनकम टैक्स में छूट और जीएसटी में छूट को जोड़ दें तो एक साल में जो निर्णय हुए हैं, उससे देश के लोगों को 2.5 लाख करोड़ से ज्यादा की बचत होगी। इसलिए यह बचत उत्सव बन रहा है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब हमें आत्मनिर्भरता के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। जो देश के लोगों की जरूरत है, जो हम देश में बना सकते हैं, वो हमे देश में ही बनाना चाहिए। जीएसटी की दरें कम होने से नियम और प्रक्रियाएं और आसान बनने से हमारे एमएसएमई, हमारे लघु, कुटीर उद्योगों को बहुत फायदा होगा। उनकी बिक्री बढ़ेगी और टैक्स भी कम देना पड़ेगा। यानी उनको भी डबल फायदा होगा। इसलिए आज मेरी एमएसएमई से, चाहे लघु हों या सूक्ष्म या कुटीर, आप सबसे बहुत अपेक्षाएं हैं। आपको भी पता है कि जब भारत समृद्धि के शिखर पर था, तब अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हमारे लघु-कुटीर उद्योग थे। भारत की मैन्युफैक्चरिंग और क्वालिटी बेहतर होती थी। हमें उस गौरव को वापस पाना है। जो हमारे उद्योग बनाएं वो दुनिया में उत्तम से उत्तम हों। जो हम बनाएं वो दुनिया में बेस्ट के पैरामीटर को पार करने वाला हो। हमारे उत्पाद दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाएं।

राष्ट्र के नाम संबोधन में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जाने-अनजाने में हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत सी विदेशी चीजें जुड़ गई हैं। हमारी जेब में कंघी देशी है कि विदेशी है, हमें पता ही नहीं। अब हमें इससे मुक्ति पानी होगी। हमें वो चीजें खरीदनी होंगी जो भारत में बनी हो, जिसमें हमारे देश के बेटे-बेटियों का पसीना हो, हमें देश के घरों को स्वदेशी का प्रतीक बनाना है। गर्व से कहो कि मैं स्वदेशी खरीदता हूं, मैं स्वदेशी सामान की बिक्री भी करता हूं। ये हर भारतीय का मिजाज बनना चाहिए। जब ये होगा तो भारत तेजी से विकसित होगा। मेरा आज सभी राज्य सरकारों से भी आग्रह है कि आत्मनिर्भर भारत के इस अभियान के साथ, स्वदेशी के इस अभियान के साथ अपने राज्यों में उत्पादन को गति दें। पूरी ऊर्जा और उत्साह से। निवेश के लिए माहौल बनाएं, जब केंद्र और राज्य मिलकर आगे बढेंगे तो विकसित भारत का सपना पूरा होगा। इसी के साथ मैं इस बचत उत्सव की अनेक शुभकामनाएं देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।

सौर ऊर्जा से रोशन गंगापुर के सुरेंद्र का घर, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से उपभोक्ता के साथ बने विक्रेता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बदलते समय के साथ अब बिजली उपभोक्ता केवल बिजली खर्च करने वाले नहीं रह गए हैं, बल्कि स्मार्ट बिजली उपभोक्ता बनकर ऊर्जा उत्पादन और बचत में भी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं और आधुनिक तकनीक के जरिए लोग सस्ती, सहज और स्वच्छ बिजली का लाभ उठा रहे हैं और अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी भी कमा रहे हैं। सरगुजा जिले के गंगापुर निवासी सुरेंद्र शुक्ला इस योजना के सफल लाभार्थी हैं।

पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल 4 से 5 हजार रुपये तक आता था। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक से 6 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण लेकर आसान किस्तों में 6 किलोवाट का सोलर रूफटॉप पैनल लगवाया। शुक्ला ने बताया

कि पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया। अब उनके घर की सारी दिनचर्या सूर्य की ऊर्जा से चलती है। घर में लगाए गए स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' एप से उन्हें वास्तविक समय में पता चलता है कि कितनी बिजली उत्पन्न हुई और कितनी खपत हुई। साथ ही, अतिरिक्त बिजली वे विद्युत विभाग को बेचकर आमदनी भी कमा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत उपभोक्ताओं को डबल सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है। इसमें 1 किलोवाट सोलर पैनल पर केंद्र सरकार 30,000 रुपए एवं राज्य सरकार 15,000 रुपए कुल 45,000 रुपए, 2 किलोवाट सोलर पैनल पर केंद्र सरकार 60,000 रुपए एवं राज्य सरकार 30,000 रुपए कुल 90,000 रुपए और 3 किलोवाट सोलर पैनल पर केंद्र सरकार 78,000 रुपए एवं राज्य सरकार 30,000 रुपए कुल 1,08,000 रुपए मिल रहा है।

सुरेंद्र शुक्ला ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना वास्तव में स्वच्छ सौर ऊर्जा की ओर क्रांतिकारी बदलाव है। योजना के तहत उन्हें कुल 1,08,000 रुपए की सब्सिडी प्रदाय होगी। बैंक ऋण की आसान किस्तों ने इसे अपनाना और भी सरल बना दिया है। सब्सिडी और योजना पूरी तरह पारदर्शी हैं और बिजली उपभोक्ता अब बिजली विक्रेता बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

सेवा पखवाड़ा : मिनी मैराथन का आयोजन, सांसद व महापौर ने मैराथन दौड़ को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान थीम पर जन-जागरूकता हेतु मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ को सांसद चिंतामणि महाराज एवं नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने लरंग साय चौक से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मिनी मैराथन प्रतापपुर चौक होते हुए गांधी स्टेडियम में संपन्न हुई। स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि नशा विनाश की जड़ है, यह न केवल व्यक्ति बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। सामूहिक प्रयासों से ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव है। महापौर श्रीमती भगत ने कहा कि

नशा शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। इसके कारण सड़क दुर्घटनाएं, अपराध और पारिवारिक विवाद बढ़ते हैं, इसलिए जन-जागरूकता फैलाना आवश्यक है।

समाज कल्याण विभाग के उप संचालक व्ही.के. उके ने नशा मुक्ति से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को नशा मुक्त भारत अभियान के तहत संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विभिन्न स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, गणमान्य नागरिक, पुलिस विभाग तथा जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम में तहसीलदार अंबिकापुर उमेश्वर बाज, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक रामकुमार सिंह, शिक्षक-प्राध्यापक, व्यायाम शिक्षक एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन उप संचालक व्हीके उके द्वारा किया गया।

पीएम आवास योजना से सुदूर गाँवों में पहुँच रही नई उम्मीद, मिला सुरक्षित आवास और सम्मानजनक जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की विशेष पहल पर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत सुदूर गाँवों में बसे जरूरतमंद ग्रामीण परिवारों को अब सुरक्षित छत और सम्मानजनक जीवन मिल रहा है। इस योजना ने न केवल आवासहीन परिवारों के सपनों को साकार किया है, बल्कि उन्हें सामाजिक सुरक्षा और आत्मसम्मान का नया आधार भी प्रदान किया है।

जशपुर जिले के मनोरा विकासखंड के ग्राम पंचायत बुमतेल निवासी लखन उरांव इस योजना से लाभान्वित होकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले एक सशक्त उदाहरण बने हैं। वर्षों तक कच्चे मकान में रहने के कारण उन्हें और उनके परिवार को बारिश और ठंड में असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। छत से पानी टपकना, बार-बार घर की मरम्मत करना और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण का अभाव, इनके जीवन की सबसे बड़ी समस्या रही।

प्रधानमंत्री आवास योजना से स्वीकृत आवास ने लखन के इन सभी कष्टों को दूर कर दिया। उन्होंने समय पर मकान निर्माण पूरा किया और अब उनके परिवार के पास स्थायी व सुरक्षित घर है।

हितग्राही लखन ने भावुक होकर बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमें सुरक्षित छत दिया है। बरसात के दिनों में अब हमें पानी टपकने की चिंता नहीं होती और बार-बार मरम्मत के झंझट से भी मुक्ति मिल गई है। उन्होंने आगे बताया कि उन्हें शासन से आयुष्मान भारत कार्ड और राशन कार्ड की सुविधा भी प्राप्त हुई है, जिससे उनके जीवन में और अधिक सहजता और सुरक्षा आई है। अब वे न केवल सुरक्षित घर में रह रहे हैं, बल्कि स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से भी लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना केवल एक आवास निर्माण की योजना नहीं, बल्कि यह सम्मान और नई उम्मीद की आधारशिला है। इस योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवार भयमुक्त होकर सुरक्षित भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में जशपुर जिले में यह योजना ग्रामीण जीवन में स्थायी परिवर्तन ला रही है और हर गरीब परिवार के सपनों को साकार करने का माध्यम बन रही है।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान

नक्सल ग्रस्त अबूझमाड़ के कोंडे ग्राम तक पहुंची स्वास्थ्य सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जब बस्तर के दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने की बात होती है तो सबसे पहले दुर्गम जंगलों और उफनती इंद्रावती नदी का ख्याल आता है। बरसात के मौसम में दुर्गम गाँवों तक पहुँचना बेहद जोखिमपूर्ण माना जाता है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में प्रदेश का प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हुए लोगों की जान बचाने की प्राथमिकता के साथ कार्य कर रहा है।

नक्सल प्रभावित जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। कांकेर, बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ अब आमजन तक पहुँच रहा है। यह मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन का परिणाम है, जिसने बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है।

स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया और आयुक्त-सह-संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु प्रतिबद्ध हैं। इसी क्रम में प्रदेशव्यापी स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान ने बीजापुर जिले के सबसे दुर्गम क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित की है। बीते शनिवार को स्वास्थ्य दल ने स्वयं नाव चलाकर उफनती इंद्रावती नदी पार की और अबूझमाड़ से लगे ग्राम कोंडे में शिविर लगाया। इस शिविर में कुल 132 मरीजों की जांच की गई, जिनमें मलेरिया, सर्दी-खाँसी और त्वचा रोग से पीड़ित रोगी प्रमुख रहे। विशेष रूप से 10 गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और परामर्श प्रदान किया गया।

मातृ स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत महिलाओं को पोषण, एनीमिया से बचाव और सुरक्षित मातृत्व संबंधी विस्तृत जानकारी भी दी गई। बीजापुर जिले में बीते तीन दिनों के दौरान अभियान की गति उल्लेखनीय रही है। इस अवधि में हजारों लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें उच्च रक्तचाप के 3,177 मामले सामने आए। इसके अतिरिक्त, महिलाओं में मुख, स्तन और सर्वाइकल कैंसर की 2,823 स्क्रीनिंग की गई तथा उन्हें आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया गया। साथ ही 314 गर्भवती महिलाओं को जांच, टीकाकरण और परामर्श का लाभ मिला। अभियान के अंतर्गत दूरस्थ अंचलों में आयोजित शिविरों के माध्यम से अब तक 1,200 से अधिक लोगों की टीबी स्क्रीनिंग और 800 से अधिक व्यक्तियों की सिकल सेल जांच भी की जा चुकी है।

ये आँकड़े केवल संख्याएँ नहीं, बल्कि उस संकल्प का प्रमाण हैं जिसके तहत प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि बीजापुर जिले के दूरस्थ और दुर्गम अंचलों में भी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बाधित न हो। यही कारण है कि स्वास्थ्य कर्मी नदी, पहाड़ और जंगल पार करके महिलाओं और बच्चों तक जीवन रक्षक सेवाएँ पहुँचा रहे हैं। प्रदेश सरकार का यह प्रयास इस विचार को सशक्त करता है कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की आधारशिला है। इसी दिशा में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर पहुँच इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता है। बस्तर संभाग में स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे ये सुधार न केवल स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर को ऊँचा उठा रहे हैं, बल्कि यह भी प्रमाणित कर रहे हैं कि सुशासन और समर्पित प्रयासों से सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी सकारात्मक बदलाव संभव है।

इंद्रावती नदी में स्वयं नाव चलाकर गांव पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी

खास खबर

शहीद असम राइफल के रंजीत कश्यप के पार्थिव शरीर को गृहमंत्री विजय शर्मा ने दिया कंधा

रायपुर। शहीद राइफलमैन रंजीत कश्यप का पार्थिव शरीर रायपुर पहुंचा, इस दौरान एयरपोर्ट पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कंधा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मणिपुर में असम राइफल्स पर हुए कायरतापूर्ण हमले में हमारे बस्तर के वीर सपूत राइफलमैन रंजीत कश्यप जी ने सर्वोच्च बलिदान दिया। आज रायपुर एयरपोर्ट पर शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ईश्वर शहीद आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिजनों को यह गहन दुख सहन करने की शक्ति दें।

रायपुर हवाई अड्डे पर आयोजित समारोह में उनके वीरता और कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए अधिकारियों और सहकर्मियों ने उन्हें फूलों की वर्षा और भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। अधिकारियों ने कहा कि रणजीत सिंह ने जिस प्रकार अपने जीवन को मातृभूमि और नागरिकों की सेवा में समर्पित किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। सैनिकों के परिवारों के प्रति सभी उपस्थित लोगों ने गहरी संवेदना और सम्मान प्रकट किया।

बाइक सवार दो युवकों की टक्कर, दोनों की मौत

रायगढ़। जिले में बीती रात कलश यात्रा देखने जा रहे बाइक सवार दो युवक सड़क किनारे खड़ी बोलेरो पिकअप वाहन CG 13 AT 3280 से जा टकराये। इस घटना में दोनों युवकों की मौत हो गई। परिजन की रिपोर्ट पर पुलिस अपराध दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है, उक्त घटना जुटमिल बोल थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार रामकुमार महंत ने जूटमिल थाने में रिपोर्ट करते हुए बताया कि बीती रात आठ बजे उसका बेटा पंकज महंत खाना खाने के बाद कलश यात्रा देखने अपने एक साथी समीर दास बैरागी के साथ बाइक पर निकला था। रामकुमार महंत ने बताया की रात करीब 9:30 बजे उसके बड़े बेटे भुवन दास महंत ने बताया की पंकज का पटेलपाली सब्जी मंडी के सामने मेनरोड पर एक्सीडेंट हो गया है। इस घटना के बाद दोनों युवकों को एम्बुलेंस से गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्रारंभिक जांच चिकित्सक ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

दुर्ग में नशीली-दवा बेचने वाले इंजीनियर के तीन साथी गिरफ्तार : फर्जी दवा कंपनी बनाकर कर रहे थे सप्लाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग जिले में एक इंजीनियर के पास से बड़ी मात्रा में नशीली दवाई पकड़ाई है। बताया जा रहा है दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ कर इंजीनियर वैभव खंडेलवाल ने पहले फर्जी कंपनी बनाई और उसके बाद ऑनलाइन प्लेटफॉर्म खुद को बड़ा दवाओं का सेलर बताकर नशीली दवाओं का कारोबार शुरू किया था। मामला पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने 4 दिन पहले मुख्य आरोपी वैभव के पास से नशे में उपयोग की जाने वाली अलग-अलग ब्रांड की 17,208 गोलियां और 12 सिरप जब्त किए थे। अब पुलिस ने आरोपी के सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया है।

पूछताछ के दौरान आरोपी वैभव की निशानदेही पर पुलिस ने अपने सूत्रों को एक्टिव किया। 4 दिन बाद पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि वैभव खण्डेलवाल के साथी आरोपी कुणाल यादव, वासु सिंह राजपूत और अब्दुल अलीम पोटिया रोड स्थित एक रेस्टोरेंट के पास संदिग्ध हालत में मौजूद हैं। सूचना पुख्ता होने पर थाना प्रभारी ने गवाहों को साथ लेकर मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीनों को दबोच लिया।

बता दें कि वैभव की गिरफ्तारी के बाद अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी नहीं मिल पा रही थी। लेकिन वैभव की गिरफ्तारी के चार दिन बाद पुलिस ने इस फर्जी कंपनी में बतौर पार्टनर काम करने वाले 3 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना पद्मनाभपुर पुलिस ने पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया और आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है। अदालत ने तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। पुलिस अब इन तीनों आरोपियों से पूछताछ कर आगे की लिंक खोजने के प्रयास में जुट गई है।

अपने पास भी रखते थे स्टॉक : एएसपी राठौर

दुर्ग एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि पहले जिस आरोपी को गिरफ्तार किया गया था, विवेचना के दौरान जो दवाईयों को खरीदते थे और अपने पास स्टॉक रखकर बेचते थे। ऐसे तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। अब आगे इस मामले में कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में अन्य नाम भी सामने आ सकते हैं।

दवा कंपनियों से डील करने की थी जिम्मेदारी

आरोपी इंजीनियर वैभव के ये सभी सहयोगी की जिम्मेदारी अलग-अलग थी। कंपनी में पार्टनर होने के नाते ये बड़ी कंपनियों से डील करते थे और दवा ऑर्डर करते थे। पुलिस की पूछताछ में वैभव ने इसकी जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि ग्राहकों को खोजने और नशीली दवाओं को बेचने के लिए इन तीनों की अहम भूमिका थी। पुलिस ने जब इन आरोपियों को गिरफ्तार किया तो भी ये नशीली दवाओं की बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश में थे। पुलिस ने इन आरोपियों के पास में भी नशीली दवाएं बरामद की है। इसमें आरोपी कुणाल यादव से अल्प्रज़ोलम की 01 स्ट्रीप कुल 10 गोली, आरोपी वासू सिंह राजपूत से अल्प्रजोलम की 02 स्ट्रीप कुल 20 गोली और आरोपी अब्दुल अलीम से अल्प्रजोलम की कुल 15 गोली मिली है।

16 सितंबर को हुई थी मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी

इस पूरे मामले के मुख्य आरोपी वैभव खंडेलवाल को 16 सितंबर को पद्मनाभपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशीली दवाओं के साथ गिरफ्तार किया था। उसके पास से 07 नग सफेद प्लास्टिक की बोरियों में भारी मात्रा में नशीली दवाई बरामद हुई थी। पूछताछ में वैभव ने अपने सहयोगियों और अन्य संदेहियों के नाम पुलिस को बताए, जिसके बाद टीम उनकी तलाश में जुट गई।

पड़ोसी से झगड़े में सगे बड़े भाई की हत्या, लड़ाई-झगड़ा करने से मना करने पर गले में मारा चाकू

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में हत्या का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पड़ोसी से विवाद कर रहे युवक को उसके बड़े भाई से समझाने का प्रयास किया तो उल्टे अपने भाई की ही हत्या कर दी। समझाइश देने पर छोटा भाई इतना गुस्सा हुआ कि उसने चाकू से बड़े भाई के गले में वार कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी छोटे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला जिले के नैला थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम मुकेश सूर्यवंशी (27) है, जो कि नैला के वार्ड नंबर- 2 में रहता था। वहीं आरोपी का नाम जितेश कुमार सूर्यवंशी (20) है। दरअसल जितेश का पड़ोस में रहने वाले नरेंद्र चंदेल से पुराना विवाद था और इसे लेकर रविवार को दोनों में फिर से बहस हो रही थी। नरेन्द्र से जितेश से विवाद करने के बजाय घर जाकर दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। कुछ देर बाद जितेश का बड़ा भाई मुकेश सूर्यवंशी वहां पहुंचा।

अपने भाई को पड़ोसी का दरवाजा पीटते देख उसने समझाया। मुकेश ने पूछा कि क्यों लड़ाई कर रहा है। इतने में जितेश अपने बड़े भाई पर भड़क गया। जितेश ने कहा कि तू कौन होता है टोकने वाला यह कहकर भाई से विवाद करने लगा। इस बीच जितेश ने अपने बड़े भाई मुकेश के गले में चाकू से हमला कर दिया। चाकू के हमले से मुकेश जमीन पर गिर पड़ा। गंभीर हालत में परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया लेकिन उसकी जान नहीं बचा पाए।

घटना की सूचना के बाद नैला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इसके बाद पुलिस आरोपी के घर पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने चाकू भी बरामद कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर वहां से उसे जेल भेज दिया गया।

युवती को प्रेम जाल में फंसाया, दुष्कर्म के बाद ब्लेकमेलिंग करने वाला गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता से लगातार रूपये की मांग कर रहा था। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को पकड़कर जेल भेज दिया है। आरोपी का नाम शुभम वर्मा है। प्रार्थिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि वह एक मोबाइल व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ी हुई थी, जिसमें आरोपी ग्राम पौसरी निवासी शुभम वर्मा द्वारा उसके मोबाइल नंबर को निकाल कर अपने मोबाइल नंबर से कॉल करता था एवं धीरे-धीरे मेलजोल बढ़ाकर शादी करने की बात बोलकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इस दौरान प्रार्थिया द्वारा मिलने से मना करने पर आरोपी, प्रार्थिया को डराता धमकाता था तथा उसकी वीडियो और फोटो वायरल कर देने की धमकी देकर, उससे रुपए पैसे की मांग करता था, जिससे प्रार्थिया एकदम भयभीत हो गई थी। की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र. 743/2025 धारा 64(1),69,308(2)351(2) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण में एसपी भावना गुप्ता के कुशल निर्देश पर थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शुभम वर्मा को हिरासत में लिया गया, जिससे पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा शादी करने का झांसा देकर प्रार्थिया के साथ दुष्कर्म करना तथा फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे रुपए पैसे की मांग करना स्वीकार किया गया। कि प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समस्त प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

कोरबा के नहर में मिली युवती की लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कनकी में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब ग्रामीणों ने नहर में एक युवती का शव बहते हुए देखा। सूचना मिलते ही उरगा थाना और पंतोरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार कनकी पुल से करीब 300 मीटर आगे नहर में मिली युवती की उम्र लगभग 20 साल बताई जा रही है। उसने काली जींस और काला टॉप पहन रखा था। शव काफी फूल चुका था, जिससे अंदेशा है कि उसे पानी में 24 घंटे से ज्यादा समय हो चुका है। शव की शिनाख्त के लिए पुलिस ने जिले भर की थाना-चौकियों से संपर्क किया। इस दौरान सिटी कोतवाली की गुमशुदगी रिपोर्ट सामने आई, जिसमें सफाईकर्मी राजा सकतेल की 14 वर्षीय बेटी दामिनी 19 सितंबर से लापता बताई गई थी। हालांकि जब परिजनों को बुलाकर शव दिखाया गया तो उन्होंने इसे अपनी बेटी मानने से इनकार कर दिया।

पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। युवती की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है कि मौत हादसा है या किसी साजिश का नतीजा। घटना को 24 घंटे से भी अधिक हो चुके हैं, लेकिन अब तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। उसकी मौत को लेकर लोगों ने संदेह जाता है कहीं ना कहीं उसके साथ कोई अनहोनी हुई होगी। जिसके कारण उसकी मौत हुई है। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि युवती की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पहचान के लिए व्हाट्सएप ग्रुप और आसपास के गांव में मुनादी करा कर पहचान में जुटी हुई है। वहीं जिले के सभी थाना चौकियों को सूचना दे दी गई है।

बच्चों को सुलेशन बेचने वाले को पुलिस ने रंगे हाथ किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। एसपी दिव्यांग पटेल के दिशा-निर्देशन में जिले में सुखा नशा, प्रतिबंधित दवाओं, इंजेक्शन और सिरप की अवैध बिक्री करने वालों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी क्रम में जूटमिल पुलिस ने नाबालिगों को नशे के रूप में सुलेशन बेचने वाले आरोपी पर बड़ी कार्रवाई की है। थाना प्रभारी जूटमिल निरीक्षक प्रशांत राव को सूचना मिली कि शेख अहसान उद्दीन कादरी नाम का व्यक्ति मोटरसाइकिल की डिक्की में सुलेशन ट्यूब रखकर बेच रहा है और मिनीमाता चौक, पुराने रेलवे फाटक के पास मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध को हिरासत में लिया गया, जिसकी पहचान शेख अहसान उद्दीन कादरी पिता शेख नसीरूद्दीन कादरी उम्र 36 वर्ष निवासी थाना के पीछे, जूटमिल रायगढ़ के रूप में हुई।

तलाशी लेने पर उसकी मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेंडर क्रमांक छत्त-13-छ्व-8286 की डिक्की से एक बैग बरामद किया गया, जिसमें ओमनी कंपनी का CHEMICAL VULCANIZING FLUID नामक 19 नग सुलेशन ट्यूब मिली। प्रत्येक ट्यूब पर नेट क्वांटिटी 75 एमएल और एमआरपी 50 रुपये अंकित था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह सुलेशन राउरकेला, उड़ीसा की दुकान से करीब 15 दिन पहले दो कार्टन (कुल 40 ट्यूब) 60 रुपये प्रति नग की दर से खरीदी थी और नाबालिगों को नशा करने के लिए बेच रहा था जिसकी कमाई को घरेलू खर्च में उपयोग करता था। उसने यह भी स्वीकार किया कि पकड़े जाने से पहले एक किशोर को 100 रुपये में एक ट्यूब बेचा था ।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 19 नग सुलेशन ट्यूब कीमत 950 रुपये, बिकी रकम 100 रुपये और अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिल कीमत करीब 20 हजार रुपये जप्त की जप्त किया गया। यह सुलेशन एक हानिकारक पदार्थ है जिसका सेवन करने से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है और नाबालिगों के जीवन व मानसिक स्वास्थ्य पर स्थायी दुष्प्रभाव हो सकते हैं। आरोपी का यह कृत्य धारा 77 जेजे एक्ट तथा धारा 123, 275, 286 बीएनएस के तहत अपराध की श्रेणी में पाया गया। इस पर थाना जूटमिल में अपराध क्रमांक 332/2025 दर्ज कर आरोपी शेख अहसान उद्दीन कादरी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

युवक को 300 मीटर तक दौड़ा कर पीटा, हनुमान जी का लॉकेट तोड़कर दी गाली, आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में युवक को 300 मीटर दौड़ाकर मारपीट की और उसके गले में लगे हनुमान जी के लॉकेट को तोड़कर धर्म पर अभद्र टिप्पणी की। घटना के बाद मिलने के बाद पुलिस ने गंभीरता से लिया और आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेजा। मामला जिले के बगीचा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार 19 सितंबर को डमरूधर यादव (38), निवासी ग्राम टटकेला ने थाना बगीचा पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि 19 सितंबर की शाम करीबन 5.30 बजे के लगभग वह ग्राम टटकेला के ही मनसुटोली में सड़क किनारे अपनी भैंस को चरा रहा था। इस दौरान उसके गांव का रहने वाला त्योफ्लि कुजूर आया और इधर भैंस क्यों चराते हो कहकर, उसको जातिगत व मां बहन की गंदी-गंदी गालियां देने लगा। उसने ऐसा करने का कारण पूछा तो, त्योफ्लि कुजूर, गुस्से में आ गया और उसका गला दबाकर, उसके गले में पहने, बजरंग बलि के लॉकेट को तोड़ दिया। इतना ही नहीं हिन्दू धर्म विशेष पर अभद्र टिप्पणी करते हुए उसे लगभग 300 मीटर तक मारपीट करते हुए दौड़ाया।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए बगीचा पुलिस के द्वारा, मामले के संबंध में वरिष्ठ पुलिस के अधिकारियों को अवगत कराते हुए, प्रार्थी की रिपोर्ट पर तत्काल थाना में आरोपी त्योफ्लि कुजूर के खिलाफ बी एन एस की धारा 296,351(2),115(2) व 299 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश पर पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी त्योफ्लि कुजूर को ग्राम टट केला से हिरासत में लिया गया।

पुलिस की पूछताछ पर आरोपी त्योफ्लि कुजूर के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयास अपराध सबूत पाए जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। मामले की कार्यवाही व आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी बगीचा निरीक्षक संतलाल आयाम, सहायक उप निरीक्षक बैजन्ती किंडो,राम राम, प्रधान आरक्षक लक्ष्मण सिंह, दामिनी टोप्पो, आरक्षक मुकेश पांडे व विनोद यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने कहा कि ऐसे मामलों को लेकर जशपुर पुलिस अत्यंत संवेदनशील है, धार्मिक व सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जावेगा, उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही की जावेगी। बगीचा क्षेत्रांतर्गत मारपीट कर, धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

अनियंत्रित होकर खेत में पलटा ट्रैक्टर, चालक मौत

जशपुर। जिले के कोतबा चौकी क्षेत्र अंर्तगत ग्राम पंचायत पतराटोली में तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर पलटने से उसके निचे दबने से चालक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। बताया जाता है कि मृतक चालक राजकुमार सिदार ट्रैक्टर से खेत की जुताई करने गया था। जुताई के बाद मुख्य मार्ग पर लापरवाही पूर्वक ट्रैक्टर चलाकर घर लौटते समय ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेत मे पलट गया। गड्ढे में पलटने से चालक ट्रैक्टर नीचे दब गया उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

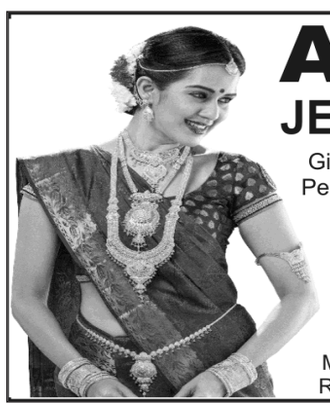
Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone,
Nano & Double Charge
Verified Tiles Digital Wall &
Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़,
अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी
का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राज्य सरकार जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिए है कटिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

धुरवा समाज के लिए 5 स्थानों पर डोम निर्माण के लिए 75 लाख रुपए की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिए कटिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासी बहुल गांवों के विकास में किसी प्रकार की कमी न हो, धन की कोई समस्या न हो—इस दृष्टि से धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना शुरू की है। इस योजना के लिए 80 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान हेतु प्रधानमंत्री जनमन योजना प्रारंभ की गई है, जिससे इन विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सकारात्मक प्रयास हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन सभी सार्थक प्रयासों से जनजातीय क्षेत्रों में विकास की गंगा बहेगी और हमारे जनजातीय समुदाय निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यह बात जगदलपुर के वन विद्यालय परिसर में धुरवा समाज के संभाग स्तरीय नुआखाई मिलन समारोह और नवनिर्मित सामाजिक भवन ओलेख के लोकार्पण कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर उन्होंने धुरवा समाज हेतु 05 स्थानों पर पंद्रह-पंद्रह लाख रुपए की लागत से डोम निर्माण के लिए कुल 75 लाख रुपए की घोषणा की। साथ ही, धुरवा समाज के 36 सरपंचों द्वारा ग्राम पंचायतों के विकास हेतु प्रस्तुत प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रतीकात्मक गुड़ी में बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना की और धुरवा समाज के नवनिर्मित सामाजिक भवन ओलेख का लोकार्पण किया।

उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि अटलजी ने जनजातीय समुदाय के कल्याण को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार में पृथक से जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि अटलजी का जन्मशताब्दी वर्ष अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने आदिवासी बहुल बस्तर और सरगुजा संभाग के विकास के लिए विशेष आदिवासी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की भूमिका का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने इन क्षेत्रों के विकास की चिंता करते हुए दोनों विशेष आदिवासी क्षेत्र विकास प्राधिकरणों का गठन किया था, जिससे योजनाओं के अतिरिक्त भी इन इलाकों में आवश्यक विकास कार्य सुनिश्चित किए जा सकें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बस्तर संभाग के माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सड़कों, पुल-पुलियों, बिजली और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही आवास और राशन जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रदान कर रही है। हर पात्र व्यक्ति को जनहितकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में हम पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम आटामी, छत्तीसगढ़ ब्रेवरेज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा तथा समूचे बस्तर संभाग से आए धुरवा समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

समाज के वीर नायक शहीद गुंडाधुर को मुख्यमंत्री साय ने किया नमन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धुरवा समाज के वीर नायक शहीद गुंडाधुर को नमन करते हुए कहा कि आज का यह ऐतिहासिक नुआखाई मिलन समारोह हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का संवाहक है। यह हमारे जनजातीय समाज की महान परंपरा है कि हम किसी भी अनाज या फल को ग्रहण करने से पूर्व अपने देवी-देवताओं की पूजा कर उन्हें अर्पित करते हैं और फिर ग्रहण करते हैं। यह परंपरा आज भी कायम है और आने वाली पीढ़ियों तक इसे बनाए रखा जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने धुरवा समाज को सामाजिक भवन ओलेख के लोकार्पण की बधाई देते हुए कहा कि यह नवीन भवन समाज के विकास की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा और समाज के सभा-सम्मेलनों के लिए काम आएगा।

समाज का यह समन्वित प्रयास नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक-विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने धुरवा समाज के सदस्यों को नुआखाई मिलन समारोह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज का यह समन्वित प्रयास नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि जब हम अपने पूर्वजों की परंपराओं का निर्वहन करते हुए उन्हें निरंतर संजोए रखते हैं, तो समाज की एकता और संस्कृति मजबूत होती है। कार्यक्रम को वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद बस्तर महेश कश्यप और विधायक जगदलपुर किरण देव ने भी संबोधित करते हुए धुरवा समाज को नुआखाई मिलन समारोह की शुभकामनाएं दीं। आरंभ में धुरवा समाज के संभागीय अध्यक्ष श्री पप्पू नाग ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया और समाज की गतिविधियों से अवगत कराया। समाज के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक छतड़ी, धुरवा तुवाल एवं कोटी सहित तीर-धनुष भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। अन्य अतिथियों का भी पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

दिखा मुख्यमंत्री साय का आत्मीय व वात्सल्यपूर्ण व्यवहार

नन्ही बच्ची भूमिका को दुलारते हुए खिलाया महुआ लड्डू

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। धुरवा समाज के नुआखाई मिलन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आत्मीय और वात्सल्यपूर्ण रूप सभी ने देखा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने धुरवा समाज की नन्हीं बच्ची भूमिका बघेल को स्नेहपूर्वक अपने गोद में बिठाकर दुलार किया और उसे महुआ लड्डू खिलाया।

जगदलपुर विकासखंड के उलनार निवासी भूमिका बघेल अपने दादा सोनसारी बघेल के साथ कार्यक्रम में पहुंची थी। पारंपरिक पोशाक में सजी-धजी भूमिका ने सभी का मन मोह लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्नेहपूर्वक उसका नाम पूछते हुए कहा—बिटिया, किस कक्षा में पढ़ाई कर रही हो? मासूम मुस्कान के साथ भूमिका ने उत्तर दिया—मैं दीप्ति कान्वेंट स्कूल में एलकेजी में पढ़ती हूँ।

यह स्नेहिल दृश्य समारोह में उपस्थित सभी लोगों के मन को गहराई तक छू गया। एलकेजी में पढ़ रही भूमिका की निश्छल मुस्कान, पारंपरिक परिधान और मासूम नज़रों की चमक में बस्तर की संस्कृति और उसकी खुशियाँ झलक रही थी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि समाज ने पिछले वर्ष ही अपने बच्चों के लिए कक्षा 12वीं तक की शिक्षा अनिवार्य करने का सराहनीय निर्णय लिया। यही शिक्षा और संस्कार हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य संवारेंगे। उन्होंने कहा कि मैं यही कामना करता हूँ कि भूमिका और छत्तीसगढ़ की हर बेटी खूब पढ़े, आगे बढ़े, उड़ान भरे और अपनी संस्कृति से यूँ ही जुड़ी रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिस आत्मीयता और वात्सल्य से नन्हीं भूमिका बघेल से स्नेहपूर्ण वार्तालाप किया, उसने पूरे समारोह का वातावरण स्नेह और आत्मीयता से परिपूर्ण कर दिया। मुख्यमंत्री साय का आत्मीय व्यवहार जनजातीय समाज के साथ उनके गहरे जुड़ाव और बच्चों के प्रति स्नेहपूर्ण हृदय का प्रमाण है। उनकी यह सरलता और अपनापन न केवल लोगों को विश्वास से भरता है, बल्कि यह भी संदेश देता है कि सरकार का नेतृत्व समाज के हर वर्ग और हर बच्चे के सुख-दुख में सहभागी है।

मुख्यमंत्री साय ने किया माहरा समाज के सामाजिक भवन का लोकार्पण : 1.63 करोड़ की लागत से हुआ निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जगदलपुर के गुरु गोविंद सिंह वार्ड में एक करोड़ 63 लाख रुपए की लागत से निर्मित माहरा समाज के नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय का पारंपरिक मोहरी बाजा के साथ भव्य स्वागत किया गया। माहरा समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री श्री साय को पारंपरिक माहरा पाटा पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने फीता काटकर भवन का विधिवत उद्घाटन किया और इस ऐतिहासिक क्षण में आमंत्रण एवं आत्मीय स्वागत के लिए समाज के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में माहरा समाज के गौरवशाली इतिहास को याद किया। उन्होंने कहा कि जगदलपुर की स्थापना जगतू माहरा तथा धरमपुरा की स्थापना धरमू माहरा द्वारा की गई थी। उन्होंने भूमकाल जैसे आंदोलनों में समाज की सक्रिय भूमिका और अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध संघर्ष को विशेष रूप से रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों से माहरा समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा मिला है। इस ऐतिहासिक निर्णय से समाज के युवाओं को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में बड़े अवसर प्राप्त होंगे और उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। मुख्यमंत्री साय ने केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मुख्य लक्ष्य गरीबों का कल्याण और किसानों का आर्थिक विकास है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 18 लाख आवासों को मंजूरी दी गई है। किसानों से 21 क्विंटल धान प्रति एकड़ खरीदा जा रहा है, जिसके लिए 3100 रुपए प्रति क्विंटल का भुगतान किया जा रहा है।

नियद नेल्लानार योजना दूरगामी परिणाम देने वाली साबित हो रही

युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में नई उद्योग नीति बनाई गई है, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को नौकरी मिले और स्वरोजगार को भी बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार नक्सलियों के समूल उन्मूलन के लिए तेजी से कार्य कर रही है, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण, बिजली की आपूर्ति और मोबाइल टावरों की स्थापना जैसे विकास कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ सकें और लोगों को मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ जनहितकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि इस दिशा में नियद नेल्लानार योजना दूरगामी परिणाम देने वाली साबित हो रही है। कार्यक्रम में माहरा समाज के संभाग अध्यक्ष राजू बघेल ने स्वागत उद्बोधन दिया। शांति नाग ने प्रतिवेदन का वाचन किया तथा समाज के संरक्षक बिच्चेम पोंदी ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत, जनपद पंचायत से जुड़े अनेक जनप्रतिनिधि शामिल हुए। स्थानीय ग्रामीणों ने इस निर्माण कार्य की शुरुआत पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि अब बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी।

पढ़ाई के साथ अब ड्रोन चलाने की भी ट्रेनिंग

सरगुजा के पीएम श्री स्कूल लखनपुर में पर्यटन मंत्री अग्रवाल ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जैसे दूरस्थ अंचल के विद्यार्थियों को ड्रोन चलाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर के पीएम श्री स्कूल में आज प्रशिक्षण की शुरूआत की। इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को एडवांस्ड ड्रोन टेक्नोलॉजी पर 30 घंटे का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान से जोड़ना है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री अग्रवाल ने प्रशिक्षण सत्र के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शिक्षा, संस्कृति और युवाओं के कौशल विकास से जुड़ी नई योजनाओं पर काम कर रहे हैं, जिससे प्रदेश का आने वाला भविष्य और अधिक उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को नई दिशा देकर रोजगार और नवाचार के अवसरों से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर व प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

पर्यटन मंत्री अग्रवाल ने कार्यक्रम में सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत 53 बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान की। इस मौके पर उन्होंने उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया और विद्यालय में नए वाटर कूलर का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

शिक्षा से ही खुलेगी प्रगति की राह : मंत्री वर्मा

26 लाख 42 हजार रुपए से होगा आहाता एवं अतिरिक्त कक्ष का निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार जिले के ग्राम मोहतरा के शाला प्रांगण में आज 26 लाख 42 हज़ार रुपए से बनने वाले आहाता निर्माण एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण का भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंत्री टंकराम वर्मा ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक आधार है। विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक है कि बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिले। अतिरिक्त कक्षों और आहाता निर्माण से विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए सुविधाजनक माहौल मिलेगा और गांव के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950